Food and Agriculture Organization of the United Nations

आपन खुसे देवल सलह

# हक मन के जिमेदारी से (अभिशासन) लागू करेक/करूवाएक ले

## खाएक ले बांचाए के राखेक कर राष्ट्रीय मामला मन में जमीन, मछरी आउर जंगल कर धन कर हक

CFS
COMMITTEE ON WORLD FOOD SECURITY

## आपन खुसे देवल सलह

# हक मन के जिमेदारी (अभिशासन) से लागू करेक/करूवाएक ले

**खाएक ले बांचाए के राखेक कर राष्ट्रीय मामला मन में जमीन, मछरी आउर जंगल कर धन कर हक**

Required citation:
FAO. 2022. *हक मन के जिमेदारी (अभिशासन) से लागू करेक/करूवाएक ले. Daltonganj*, https://doi.org/10.4060/i2801sck

The designations employed and the presentation of material in this information product do not imply the expression of any opinion whatsoever on the part of the Food and Agriculture Organization of the United Nations (FAO) concerning the legal or development status of any country, territory, city or area or of its authorities, or concerning the delimitation of its frontiers or boundaries. The mention of specific companies or products of manufacturers, whether or not these have been patented, does not imply that these have been endorsed or recommended by FAO in preference to others of a similar nature that are not mentioned.

The views expressed in this information product are those of the author(s) and do not necessarily reflect the views or policies of FAO.

© FAO, 2012 [English edition]
© FAO, 2022 [Sadri edition]

ISBN 978-92-5-137096-4
© FAO, 2022

Some rights reserved. This work is made available under the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 3.0 IGO licence (CC BY-NC-SA 3.0 IGO; https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/3.0/igo/legalcode).

Under the terms of this licence, this work may be copied, redistributed and adapted for non-commercial purposes, provided that the work is appropriately cited. In any use of this work, there should be no suggestion that FAO endorses any specific organization, products or services. The use of the FAO logo is not permitted. If the work is adapted, then it must be licensed under the same or equivalent Creative Commons licence. If a translation of this work is created, it must include the following disclaimer along with the required citation: “This translation was not created by the Food and Agriculture Organization of the United Nations (FAO). FAO is not responsible for the content or accuracy of this translation. The original English edition shall be the authoritative edition.”

Disputes arising under the licence that cannot be settled amicably will be resolved by mediation and arbitration as described in Article 8 of the licence except as otherwise provided herein. The applicable mediation rules will be the mediation rules of the World Intellectual Property Organization http://www.wipo.int/amc/en/mediation/rules and any arbitration will be conducted in accordance with the Arbitration Rules of the United Nations Commission on International Trade Law (UNCITRAL).

Third-party materials. Users wishing to reuse material from this work that is attributed to a third party, such as tables, figures or images, are responsible for determining whether permission is needed for that reuse and for obtaining permission from the copyright holder. The risk of claims resulting from infringement of any third-party-owned component in the work rests solely with the user.

Sales, rights and licensing. FAO information products are available on the FAO website (www.fao.org/publications) and can be purchased through publications-sales@fao.org. Requests for commercial use should be submitted via: www.fao.org/contact-us/licence-request. Queries regarding rights and licensing should be submitted to: copyright@fao.org.

# विषय सूची


परिचय v

1 प्रस्तावना 1

1. मुध माने 1
2. प्रकृति अउर कार छेतर 2

2 सामान्य सिद्धांत 3

3. हक मन कर जिमेदार अभिशासन लगिन डहराएक सिद्धांत 3
   3 (अ) सामान्य सिद्धांत 3
   3 (ब) काम करेक सिद्धांत अउर नियम 4
4. अभिशासन कर हक अउर जिमेदारी 5
5. मालिकाना हक से जुड़ल वैधानिक नीतिगत अउर संस्थागत ढांचा 7
6. सेवा मनक प्रतिपादन 8

3 संसाधन मनक मालिकाना हक कर मन अउर जिमेदारी मन कर वैधानिक मान अउर निर्धारण 11

7. बांचाएक प्रावधान 11
8. समाज कर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन 12
9. आदिवासी अउर दोसर जाइत मन कर पुरखउती हक मन कर बेवस्था 13
10. अनौपचारिक मालिकाना हक 14

4 मालिकाना हक कर हक मन कर जिमेदारी में बदलाव अउर दोसरा के देक 15

11. बजार 15
12. पूंजि लगाएक 16
13. जमीन के मेसाएक अउर दोसर सुधराएक प्रक्रिया मन 19
14. मालिकाना हक कर हक मनक बहाली 20

15. घुराए घुराए के बांटेक में सुधार 20
16. कब्जाएक अउर बदला में धन 21

5 मालिकाना हक कर हक मन के चलाएक 23

17. मालिकाना हक कर हक मन के लिखेक 23
18. दामगनी करेक 24
19. कर–बांधेक 24
20. विनियमित स्थानिक योजना 25
21. मालिकाना हक कर हक उपरे फसाद मनक सोहान 26
22. सीमा/आइर लालिक ठांव मनक फसाद अउर मामला 27

6 प्राकृतिक हवा पानी में बदलाव अउर बिपइत बेरा अनुक्रिया 29

23. हवा पानी में बदलाव 29
24. प्राकृतिक बिपइत 30
25. जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन कर मामला में फसाद 31

7 साहराएक, काम ओर करेक, पहरा अउर दामगनी 34

# परिचय

ई आपन खुदसे देवल सलह कर असल माने राष्ट्रीय खाद्यान सुरक्षा लगिन पेटभरूवा भात–तीयन कर हक के जरुरी ठहराएक ले भुंई मछरी आउर जंगल कर अन–धन मनक हक मनक सुपटउवा देख रेख चाहे लागू करेक लगिन एगो संदर्भ पोथी कर रूप में काम आवी।

ई आपन खुदसे देवल सलह से गरीबी आउर भूख के मेटाएक ले देस आउर बिदेस कर कोसिस के मदइत करेक आहे। ई बहुत लमबा समय ले बिकास करेक कर सिधांत मन पर आधारित आहे। जेकर माध्यम से जमीन जल/पानी अउर जंगल कर धन मनक उपरे एक बराबइर मालिकाना हक कर अधिकार मनके बिकास कर असल आधार कर रूप में स्थापित करल जाहे।

गरीबी आउर भूख मेंटाएक आउर हवा–पानी कर लम्बा समय ले उपयोग असल में ई बात में निर्भर करेल कि अदमी मन चाहे समाज कर कतना बगरा हक जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर संसाधन मन उपरे आहे, आउर ऊ हक मन कर कतना उपयोग करल जाथे। बगरा अदमी मनक जीएक–खाएक अउर मुख्य रूप से गांव छेतर मन में गरीब मनक जीएक–खाएक असल में ई संसाधन मनक हक अउर मालिकाना हक उपरे निर्भर करेल। ई संसाधन हें ई मनक आर्थिक बिकास, सामाजिक–सांस्कृतिक आउर धार्मिक काराढारा मनक आधार आउर खाएक–पीएक ऊंठक–इंठक कर असल सोता हेके।

ई बहुत जरूरी आहे कि जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर जवाबदेह अभिशासन, अपरिहार्य रूप से नैसर्गिक संसाधन मन जइसे पानी अउर खनिज

कर देख रेख अउर ऊ मनक हक से जुड़ल आहे। राष्ट्रीय मामला मन में ई प्राकृतिक संसाधन मनक अभिशासन कर तरीका मन अउर उकर रूप रेखा टीपेक ले (स्थापना लगिन) राइज, आपन खुसे देवल सलह के आपन इस्थिति के देखते लागू कइर सकेन।

भुंई मछरी अउर जंगल कर अन–धन कर हक मन के पावेक लंय सुपटउवा अभिशासन कर फैसला अउर उकर देख रेख मनक इस्तेमाल कर समय इस्थिति आउर संबंध राखेक वाला अदमी मनक चुनाव हो करेक चाही जे पद्धति, नीति कर रूप में हें होइ सकेल।

गोटा दुनिया अउर हिंया कर अदमी मनक संख्या कर लगस्ते बढ़ेक चलते खाद्यान सुरकछा, पर्यावरण अउर जलवायु में बदलाव कर चलते जमीन, मछरी आउर जंगल कर धन कर उपलब्धता में उलटा असर होइ हे। ई संसाधन मन उपरे आधा सुधा अउर असुरक्षित हक मनक चलते संसाधन हीनता चाहे वंचना, भूख अउर गरीबी बेतहासा बढ़ेक कर चलते संसाधन मन उपरे मोंय की तोंय (धरा–पछरा) हक मनक नावा झगरा मन हों बढ़हथे।

जमीन, मछरी आउर जंगल कर धन कर हक इस्तेमाल आउर जिमेदारी के फारी फाटी करेक ले आइज एगो जवाबदेही वाला अभिशासन कर जरूरत आहे जेकर से ई टीपल जाए सकेल कि अदमी मन ई हक मनके कइसे पाबंय आउर ऊ मनक का जिमेदारी रही। एगो कमजोर अभिशासन कर हें चलते बेसी दिकत मन पैदा होवेल। अभिशासन कर गुण के सांवराए बढ़ाए के हें ई दिकत मनक काट होई सकेल। एगो कमजोर अभिशासन कर हें चलते सामाजिक, स्थापित्व, एक बराबइर हवा–पानी कर इस्तेमाल अउर आर्थिक बिकास ले पुंजी में असर पड़ेला। जमीन, मछरी आउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक टीप के हें भूख, गरीबी आउर ऊंठक–इंठक बासा जइसन बहुत जरूरी गोइठ मन के सोमटते अदमी मनक जीएक ढंग के ठीक करल जाए सकेला। कमजोर अभिशासन कर चलते मारा–काटा, झगड़ा–झंझट बइढ़ सकेल जे अदमी मनक जान–माल लागिन बड़का बिपइत हेके। संसाधन मनक मालिकाना हक ले जिमेदार अभिशासन, एगो लमबा परिया ले सामाजिक–आर्थिक बिकास के सहराएला–जेकर मदइत से गरीबी मेटाएक, खाद्यान्न सुरक्षा अउर जवाबदेह वित्तीय निवेश (पुंजी लगाएक) कर मुध बिचार के पावल जाय सकेला।

सउभे जाइत मनक हित मनके देखते, खाद्य व कृषि संगठन (FAO) अउर सहियामन इ आपन खुसे देवल सलह अउर जिमेदारी वाला अभिशासन कर पोथी–पतरा कर बिकास करेक कर जिमा लेलंय। ई पोथी–पतरा कर जइर, राष्ट्रीय मामला मन में खाद्यान सुरक्षा, भरपेटुवा भात–तीयन कर हक के टीपेक ले जारी करल आपन खुसे देवल सलह हेके (भोजन के अधिकार हेतु स्वैच्छिक दिशा–निर्देश) जे नवम्बर सन् 2004 में खाद्य एवं कृषि संगठन कर 27वां सत्र में इकर सदस्य देस मन बट ले मउजराल गेलक। पाछे एहे

पोथी–पतरा सन् 2006 में आयोजित ग्रामिण बिकास अउर कृषि सुधार मन कर वैश्विक सम्मेलन (ICARR) में सदस्य देस मन बट ले अउरे मउजराल अउर मानल गेलक।

अक्टूबर 2010 में विश्व खाद्यान सुरक्षा समिति (CFS) कर 36 वां सत्र में प्रस्ताव करल ई पोथी–पतरा के समावेशी प्रकिया कर तहत बिकास करेक अउर एगो खुला काम करइया मनक टोली बनाएक कर बात टीपल गेलक जेकर से आपन खुसे देवल सलह (स्वैच्छिक दिशा–निर्देश) मनक पोथी तेयार करल जाए सकोक।

ई आपन खुसे देवल सलह, विश्व खाद्यान व कृषि संगठन (FAO) बट ले प्रतिपादित अउर अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता पावल मानक मन अउर जवाबदेह प्रक्रिया मन उपरे आधारित आहे जइसे–भात–तीयन कर हक ले आपन खुसे देवल सलह; जिमेदार जल–पालन लंय नियम–कानून (आचार संहिता), कीड़ा–फेनगा मन के मारेक जहर कर उपयोग अउर बांटेक ले अन्तर्राष्ट्रीय नियम–कानून (आचार संहिता), जंगल कर आइग मनक देख–रेख लंय आपन खुसे देवल सलहः रोपल जंगल मन ले आइग मनक देख–रेख लंय आपन खुसे देवल सलह आदि। ई सउब पोथी–पतरा नीति, कानून, तरीका, रणनीति, कार्यक्रम अउर गतिबिधी मन कर चुनाव लगिन बहुत जरूरी आहे। ई चुनाव कर प्रक्रिया में आउर पुराएक वाला सलह मनक इस्तेमाल तकनीकी अगुवाई ले करल जाए सकेल। संगे–संग ई मनक इस्तेमाल प्रशिक्षण, जनपैरवी अउर क्रियान्वयन लागिन सलह ले हों करल जाए सकेला।

ई आपन खुसे देवल सलह के विश्व खाद्यान्न सुरक्षा समिति (CFS) 11 मई सन् 2012 के आयोजित 38वां बिसेस सत्र में मोउजराल (अनुमोदन करल) गेलक।

ई आपन खुसे देवल सलह के खुला काम करइया टोली कर माध्यम से जून, जुलाई, अक्टूबर 2011 आउर मार्च 2012 में बिकास करल जाहे। ई प्रक्रिया सन 2009–2010 में अलग–अलग स्तर कर खुला सम्मेलन मन कर रूप में आयोजित करल गेलक। छेतरीय सम्मेलन ब्राजील, बुरकीना फासो, इथोपिया, जार्डन, नामीबिया, पनामा, रोमानिया, रशियन फेडरेशन, सामोआ अउर वियतनाम में आयोजन करल गेलक। ई छेतरीय संगठन मनक माध्यम से 133 देस कर 700 अदमी मनक बिचार के मेसाल गेलक जेकर में स्वैच्छिक संगठन, निजी अउर सार्वजनिक छेतर कर अगुवा अउर पढ़ेक लिखेक वाला छेतर से जुड़ल अदमी अउर जानकार मन इकर में रहंय। इकर माझे चाइर गो सम्मेलन कर आयोजन बिसेस रूप से स्वैच्छिक संगठन मन लगिन करल गेलक–अफ्रीका में माली, एशिया में मलेशिया, यूरोप व मध्य व पछिम एशिया ले इटली अउर लैटिन अमरिका लगिन ब्राजील जेकर माध्यम से 70 देस कर 200 अगुवा मन आपन बिचार देलंय। संगे संग निजि छेतर बट ले आयोजित सम्मेलन मनक माध्यम से 21 देस कर 70 ले बगरा अगुवा मन आपन

बिचार देलंय। ई आपन खुसे देवल सलह के बनाएक में इलेक्ट्रॉनिक गोइठ–बात कर माध्यम से हों सलह मांगल जाए रेहे। ई पोथी में निजि अउर सार्वजनिक छेतर, स्वैच्छिक संगठन, शिक्षा जगत आदि कर माध्यम से गोटा दुनिया से सलह अउर बिचार पावल गेलक।

ई आपन खुसे देवल सलह, सहस्राब्दि बिकास लक्ष्य (MDG) अउर बरन –बरन कर अन्तर्राष्ट्रीय मानक अउर प्रस्ताव मनक अनुसर अदमी कर हक मन आउर मालिकाना हक कर हक मन से जुड़ल आहे। ई आपन खुसे देवल सलह मन के जिमेदारी अउर आपन खुसे किरिया खाएक कर रूप में अपनाते सुधराए के संवराएक लगिन इकर उपयोग के हामरे साहरइला ।

अध्याय 1

# प्रस्तावना

## 1. मुध माने

1.1 ई आपन खुसे देवल सलह कर मुध माने जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक मनक अभिशासन के पोकोत बनाएक आहे। ईकर गोइठ के मानल करल से गोटा समाज अउर खास किसिम से छूटल अउर सीमान्त अदमी मनक लम्बा समय ले सामाजिक–आर्थिक बिकास, ग्रामीण बिकास, आवासीय सुरक्षा, सामाजिक स्थापित्व, जीएक–खाएक, गरीबी मेटाएक, पेटभरूवा भात–तीयन कर हक के अउर आगे बढ़ाएक पारेक इसन आसा आहे। अदमी कर हक मन के वैश्विक घोषणा पत्र, अन्तर्राष्ट्रीय कानून, राजीनामा अउर किरिया खाल कागज मनक अनुसर ई आपन खुसे बनाल सलह के मानते राइज कर भूमिका अउर जिमेदारी–सउब कारकरम, नीति अउर तकनीकी मदइत के आउर आगे बढ़ाएक आहे।

1.2 ई आपन खुसे देवल सलह कर माध्यम से

1. अन्तर्राष्ट्रीय कानून, राजीनामा अउर किरिया खाल कागज मनक अनुसर, अभिशासन के आगे बढ़ाते जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर प्रबंधन, नियंत्रण अउर उपयोग कर हक के लागु करेक आहे।

2. ई संसाधन मनक, मालिकाना हक कर मामला में समुचा हक मनक अनुसर बैधानिक, नीतिगत अउर ढ़ांचागत छेतर मन के सुधराएक आहे।

3. हक मन के टीपेक ले खुईल के अउर सुचारू तंत्र कर स्थापना करेक आहे।

4. हक मन कर जिमेदार अभिशासन ले वैधानिक अभिकरण, स्थानीय प्रशासन, लधु अउर सीमान्त किसान मनक संगठन, मछरी–जंगल अउर चारा उपजाएक वाला आदिबासी अउर दोसर समाज, स्वैछिक संगठन, निजी छेतर, शिक्षा अउर शोध संस्थान, जामा लरजराल अदमी मन अउर प्रशासन तंत्र कर छमता कर बिकास करेक अउर उके पोकोत करेक आहे।

## 2. प्रकृति अउर कार छेतर

2.1 ई आपन खुसे देवल सलह हेके।

2.2 ई आपन खुसे देवल सलह के राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानुन मनक अनुसर राइज कर जिमेदारी मन कर मामला में परिभाषित करल जाए सकेल। इगो प्रगतिशील अभिशासन के अउर पोकोत करेक ले राष्ट्रीय, छेतरीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कोसिस मनक अनुसर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक मनक पूराएक वाला तंत्र हेके। ई सलह राइज कर हक मन के ना तो चाराएल अउर ना हे उलटाएल।

2.3 हक मनक अभिशासन के पोकोत अउर असरदार बनाएक ले ई राइज प्रशासनिक तंत्र, न्यायिक अभिकरण, स्थानीय प्रशासन तंत्र, लधु अउर सीमान्त किसान संगठन, मछरी जंगल अउर चारा उपजइया मनक, आदिबासी अउर दोसर समाज, स्वैच्छिक संगठन ,निजी छेतर ,शिक्षा अउर शोध संस्थान अउर जामा लंजरल अदमी मन बट ले इके काम में लानल जाए सकेल ।

2.4 ई आपन खुसे देवल सलह कर कारछेतर (वैश्विक) गोटा दुनिया हेके। राष्ट्रीय मामला मन कर अनुसर इके आर्थिक बिकास कर कोनोवे दासा में, कोनोवे अभिशासन बेवस्था में अदमी मन कर सार्वजनिक, निजी, सामुदायिक, संयुक्त अउर पारंपरिक हक मन के टीपेक लगिन करल जाए सकेल।

2.5 ई आपन खुसे देवल सलह के राष्ट्रीय न्याय बेवस्था अउर निकाय मनक अनुसार लागू चाहे अउरे घुराए के इके परिभषित करल जाय सकथे।

अध्याय 2

# सामान्य सिद्धांत

ई भाग जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक मन अउर जिमेदारी कर अभिशासन लगिन नीति, बैधानिक प्रावधान अउर संस्थागत प्रारूप मन अउर ऊ मन के भुंइये उतराएक से संबंध राखेला। राइज मन के अभिशासन कर जिमेदारी अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार प्रावधान मनक अनुसर मालिकाना हक लगिन हक मन के सुपटउवा लागू करेक आहे।

## 3. हक मन कर जिमेदार अभिशासन लगिन डहराएक सिद्धांत

3.अ सामान्य सिद्धांत

3.1 राइज मनक जिमेदारी आहे कि –

1. राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर जिमेदारी कर संबंध मन में जबरजसती बेदखल करेक अउर हक मन कर एकलहुवा दाबी के रोकेक ले जवाबदेह अभिशासन कर उपाय करेक।

2. देवल हक मन के लागू करेक ले सुपटउवा बेवस्था करोक। इकर लगिन राइज बट ले देवल गेल सेवा मन तक सबक पहुंच अउर ऊ मनक उपयोग के सहराएक ले उचित कदम हो उठावंय।

3. हक मन के दबाएक कर दसा में न्याय तंत्र तक पोंहचेक ले जिमेदार अभिशासन स्थापित करोक। न्यायिक अभिकरण मन अउर दोसर उपाय मनक जरिया से झगड़ा–झंझट के सोमटाओक।

4. राजीनामा अउर उकर पालन करेक कर काम करंय। सबक हित में पंजियाल संसाधन मनक पखे, तुरत अउर न्याय से भरल भरपाइ निश्चित करंय।

5. संसाधन मनक फसाद, मारा–काटा लड़इ अउर गोरखधंधा से छुटल बेवस्था कायम करोक। मारा–काटा झगरा मन से बंचाएक ले आगे हे से जरूरी कार्यवाही जे होएक चाही से के निश्चित करंय। संगे संग हरेक स्तर में सउब बरन कर गोरख धंधा से फिरल तंत्र कर स्थापना करोक।

6. राइजकर शासन ले अउरगे दोसर निकाय मन अउर कार बार करेक वाला कम्पनी कर जिमेदारी आहे कि ऊ मन अदमीक हक अउर प्राकृतिक संसाधन मन में अदमी मनक हक मन कर आदर मान करंय। कार बार करेक वाला कम्पनी मनक जिमेदारी एहो आहे कि फसाद से बांचेक ले जहां तक होइ सकोक सहां तक गोइठ बात होवोक। ऊ मन आपन कार बार से होवेक वाला अदमीक हक मनक खतरा मन अउर ऊ मनक हक मन के नी मानेक के कम करेक ले बचाव दल कर स्थापना करंय। ई नजइर से ऊ मन गैर न्यायिक तंत्र स्थापित करेक कर ओर में हरेक स्तर में सिकाइत के निपटाएक लगिन तंत्र बनाओक जेकर से कम्पनी से होवेक वाला हक मनक होइ सकेक वाला बेइजती चाहे उकर उलटा असर मन के जहां तक होइ सकेल सहां ले रोकल जाएक पराओक। असल में, कम्पनी कर जिमेदारी आहे कि ऊ संसाधन मनक हक मन कर खतरा मन अउर अदमीक हक मन के नी मानेक के चिन्हंय अउर पाछे होवेक वाला उकर असर के अदमी मन के चेताएं। ई मामला में राइज कर जिमेदारी, अन्तर्राष्ट्रीय राजीनामा मनक अनुसर न्यायिक तंत्र के रोपते कारबार करेक वाला कम्पनी मन से होवेक वाला उलटा असर से सालाल मन ले न्याय देउवाएक आहे। बहुराष्ट्रीय कम्पनी मन ले ई दसा में मूल राइज अउर उकर से दोसरो राइज में होवेक वाला असर, दुइयो कर जिमेदारी, अदमीक हक मन के मारेक के रोकेक आहे। राइजकर पोसल कम्पनी मन कर मामला में आपने राइज कर हे जिमेदारी आहे कि उकर से सम्बन्ध राखेक वाला राइज कर निकाय मन कर माध्यम से संसाधन मनक हक मन अउर अदमीक हक के मारेक के दूर करंय।

3 ब काम करेक नियम

काम करेक कर नियम मन कर सबक ले मुध भूमिका जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन मनक हक मन के रोपेक ले मदइत करेक आहे।

1. अदमीक हक अउर माइन आदरः सउब समाज कर परंपरागत, वंशानुगत अउर नैसर्गीक हक मन के माइन से मानल जाए।

2. बेगर देखा देखी करः कानून अउर नीति मनक पालन अउर लाभ से केकहो ना बांचाल जाओक।

3. बराबरी अउर न्यायः राष्ट्रीय मामला मन में वंचित परंपरागत रूप से बंचित अउर सीमान्त वर्ग जवान, जनी अउर मरद मन के जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे बराबइर कइर के टीपेक कर ओर में सामाजिक परिप्रेक्ष्य

कर अनुसर अदमी अउर समाज कर मानल–दानल लेखन हे बराबरी अउर न्याय निश्चित करल जाओक।

4. छोंड़ा–छोंड़ी एक लेखनः जनी अउर मरद मन के बराबइर हक निश्चित करते लिंग–बराबरी कर आदर करल जाओक। राइज कर बिसेस जिमेदारी आहे कि जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे डींड़ा अउर बिहा होवल स्थिती में जनानी मनक हक निश्चित करल जाओक।

5. एके में गुंथाल अउर दिसेक लेखन बेवस्थाः प्राकृतिक संसाधन अउर उकर उपयोग कर एक दोसर से सामाजिक नाता मन कर माइन करते लम्बा समय ले अउर एके में सनाल प्रशासन तंत्र के रोपेक निश्चित करल जाओक।

6. राजीखुसी अउर भागीदारी : फैसला करेक मनक प्रक्रिया। काम में सक्रिय, मुक्त, प्रभावी, अर्थ से भरल अउर आघंय ले बताल भागीदारी निश्चित करते संसाधन मनक हक मन कर मामला में गंवइया मनक हित अउर फैसला के मानल जाओक।

7. कानून कर शासनः राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून मनक अनुसर अउर राजीनामा अउर सम्मेलन मन कर प्रस्ताव मनक अनुसर इके गांवक भाखा में बेयापक ढ़ंग से छापेक अउर प्रचार करते बेगर केकरो पक्ष लेले न्यायिक फैसला मन के मानल जाओक।

8. सबक ठिन (आर पार दिसेक लेखन खुला) पोंहचेक कर खेयाल से सफा सफा परिभाषित, बेयापक ढ़ंग से प्रचारित सउंभे भाखा में इके पुराएक निश्चित करते नीति, कानून अउर प्रक्रिया मन के एकएक झन तक पोंहचाल जाओक।

9. जिमेदारीः कानून कर शासन कर नियम मनक अनुसर एकला जन–निकाय मन अउर गैर सरकारी संसाधन मन कर जिमेदारी निश्चित करल जाओक।

10. टिकेक वाला सुधारः राइजक पोसल तंत्र मनक पहरा अउर सुधराएक खेयाल से सबुत कर संगे काजकरम अउर जिमेदार अभिशासन कर स्थापना करल जाओक।

## 4. अभिशासन कर हक अउर जिमेदारी

4.1 राइज कर पहिल जिमेदारी होएक चाही कि सामाजिक, आर्थिक बिकास, गांवक बिकास, घरबार कर सुरक्षा, लम्बा समय तक जीएक खाएक, गरीबी मेटाएक, खाद्य

सुरक्षा मन कर बेयापक मूल कारन मन संगे अदमीक हक मन के दिसेक वाला जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर प्रति जिमेदार अभिशासन कर स्थापना लगिन कोसिस करंय।

2

4.2 राइज कर जिमेदारी होएक चाही कि संसाधन मन कर मालिकाना हक के निश्चित करेक दिशा में राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रक्रिया मन कर पालन करंय।

4.3 राइज बट ले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि मालिकाना हक कर कोनोवे हक राइज चाहे निजी कम्पनी मन लागिन बेगर आइर कर ना लाय। मालिकाना हक कर हक मनके मानेक सब अदमीक हित कर खेयाल से दोसर मनक हक मन कर आदर करते जरूरी ठहराल जाएक चाही। इकर फैसला, राइज बट ले अदमीक हक मन ले हिंया लिखल जिमेदारी अउर हवा पानी के सांवराएक बांचाएक कर मानक मन लेखन करल जाएक चाही। ई जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन कर बहुत आगे परिया ले अउर लम्बा समय ले बेवस्था कर नींव होएक चाही।

4.4 राइज कर जिमेदारी आहे कि मालिकाना हक कर हक मन के बैधानिक मान्यता देल जाओक। बिसेस किसिम से उसन स्थिती में जहां कानून कर हाथ नी लम्बीयाल जाए सकेल। इसन हाल मन में कानून अउर नीति मन बेगर देखा देखी कर अउर जनाना मरदाना दुइयो के धेयान में राइख के ठहराल जाएक चाही जे ई आपन खुसे बनाल सलह कर लेखन राइज बट ले ठहराल जाएक चाही जे ई आपन खुसे बनाल सलह कर लेखन राइज बट ले ठहराल अउर सबक हित में बड़का रूप से डुगडुगी बजुवाएक चाही। हिंया संसाधन मन उपरे मालिकाना हक के ठहराएक ले राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रक्रिया मन कर पालन होएक चाही जेकर से अदमी मनक हक मन के दबाएक चाहे तड़पाएक के रोकल जाएक सकोक।

4.5 राइज कर जिमेदारी आहे कि कचिया ढेबुआ ले संसाधन चाहे जीएक खाएक कर संसाधन मन से बिसरेक, न्याय कर हक पावेक से बिसरेक अउर समाज कर नाता रिसता मन में बदलाव आदि से जुड़ल देखा देखी के मेटाल जाओक। संगे संग परम्परा से आवल चाहे बसियत में देल मालिकाना हक कर हक मन के बेगर जनाना मरदाना में फरक करले निश्चित ठहराल जाओक। राइज ई भूमिका कर फैसला करेक ले राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, नीति, तरीका मन अउर आपन खुसे बनाल सलह मन कर भाव कर लेखन हे ठहराल जावंय।

4.6 राइज कर जिमेदारी आहे कि बिसेस किसिम से आपन हक मनक पावेक में नी पारेक लेखन अदमी मन के बेगर कोनो जनाना मरदाना में फरक चाहे समाज अउर धनसम्पती कर देखा देखी कर, एक बराबइर मोका देल जाओक। संगे संग ई मनक मालिकाना हक कर हक मन ले न्यायिक अभिकरण मन. लागू करेक ले जिमेदार संस्थान मन अउर सेवा देक वाला निकाय मन से जोड़ेक कर कोसिस हों करल जाओक।

4.7 राइज कर जिमेदारी आहे कि जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन के दिसेक लेखन नीति अउर कानून मन के ठहराएक अउर उकर पालन करेक मे बिसेस किसिम से अदमी मनक भगीदारी के जरुरी ठहराल जाओक। देसक स्तर में कानून मन के ठहराएक एकदम से राइज अउर नागरिक निकाय मनक बट ले हें होएक चाही।

## 5. मालिकाना हक से जुड़ल बैधानिक नीतिगत अउर संस्थागत ढांचा

5.1 राइज बट ले जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन से जुड़ल मालिकाना हक कर फैसला करेक ले कानून नीति अउर संस्थागत ढ़ांचा कर माध्यम से जिमेदार अभिशासन रोपेक अउर जरूर से करेक चाही संस्थागत चाहे प्रशासनिक ढ़ांचा–न्यायिक अभिकरण, जन सेवा, न्यायिक बेवस्था मनक लेखन हें होएक चाही।

5.2 राइज बट ले ई जरूर से करल जाएक चाही कि कानून नीति अउर प्रशासनिक ढ़ांचा असल में राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव मनक अनुगामी होक।

5.3 राइज बट ले कानून, नीति अउर प्रशासनिक ढ़ांचा कर फैसला करेक में संसाधन मनक रूढ़ी जन्य (पीढ़ी दर पीढ़ी) हक मन के मानल अउर उके साहराएक चाही। प्रशासनिक ढ़ांचा असल में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन कर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक अउर हवा पानी कर मोल के देखाएक अउर आदर माइन होएक चाही। प्रशासनिक ढांचा ई संसाधन मनक आपस में गुथंल नाता के रोपते स्थापित एकमुसुत बेवस्था अउर प्रशासन कर गठन होएक चाही।

5.4 राइज बट ले बिसेस कइर के जनाना अउर माइछउवा अउर छोड़ी मनक संसाधन मनक मालिकाना हक के रोपते कानून अउर नीतिगत बेवस्था मनक फैसला करल जाएक चाही राइज संसाधन मन कर मालिकाना हक के एक बराबइत बाएक ले उचित न्यायिक सेवा अउर दोसर माध्यम मन से जनाना मन के योग्य बनाओक।

5.5 राइज बट ले नीति, कानून अउर प्रक्रिया मन के टीपेक निर्धारण ले सउभे जुड़ल पक्ष मन के एक बराबइर भागीदारी कर मोका देउवाओक जेकर से क्रियान्वयन में हों सबक पक्ष कर भूमिका कर निर्धारण निश्चित ठहराल जाएक चाही। इकर ले जनाना मरदाना में कोनो फरक नी रहेक लेखन प्रक्रिया नीति अउर कानून मन के भाषा अउर भावना से हो दिसेक चाही।

5.6 राइज बट ले ठहराल तंत्र मन कर पालन लंय सउभे स्तर मन में अभिशासन कर भूमिका तय करल जाएक चाही। इंकर से जुड़ल सउभे जुड़ल निकाय मनक भूमिका अउर जिमेदारी मन के खुला रूप से परिभाषा देवल जाएक चाही। राइज कर भूमिका काम के लागू करूवाएक ले जिमेदार सउभे निकाय, स्थानीय अभिषासन, आदिबासी समाज अउर दोसर अदमी मनक माझे गोइठ बात करेक तंत्र कर स्थापना करेक कर हों होएक चाही।

5.7 राइज बट ले कानून, नीति, संगठनात्मक ढांचा मन अउर लागू करूवाएक ले जिमेदार निकाय मन कर निर्धारण में (स्वैच्छिक) आपन खुसे बनाल सगंठन, निजी निकाय अउर शिक्षण संस्थान मनक मदइत हो निश्चित ठहराल जाएक चाही।

5.8 राइज बट ले लगस्ते नीतिगत, कानूनी अउर प्रशासनिक ढांचा कर पहरा अउर आँकल जाएक चाही जेकर से ऊ मन के जोरदार बेवस्था कर नियम बहाल राखल जाए सकोक। न्यायिक अभिकरण अउर लागू करूवाएक ले जिमेदार निकाय मनक जिमेदारी आहे कि आर पार दिसेक लेखन जिमेदार बेवस्था बनाएक ले स्वैछिक संगठन अउर समाज कर अगुआ मन से लगस्ते गोइठ बात होत रहोक जेकर से कोनोवे बदलाव अउर उकर होइ सकेक वाला असर मन कर बारे अदमी मन के बताल जाए सकोक।

## 6. सेवा मनक प्रतिपादन

6.1 ई डहर में प्रदाय तंत्र से जुड़ल सउभे जुड़ल पक्ष मन के बेगर जनाना मरदाना कर फरक अउर समाज में एक बराबइर रहेक कर सीख जरूर देल जाएक चाही।

6.2 राइज बट ले ई जरूर से ठहराल जाओक कि इके लागू करूवाएक कर प्रशासनिक बेवस्था राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रस्ताव तेले जिमेदारी अनुसर होक। संगे संग ई जिमेदारी छेतरीय अउर ढ़ांचागत स्तर मन मे इके लागू करूवाएक कर माध्यम से दिसोक।

6.3 राइज बट ले जुलुम अउर बेगर देखा देखी कर निरदन चलेक बेवस्था के रोपेक ले हक मन के काम में आनेक अउर फसाद मन के फारी–फाटी करेक ले तंत्र

बनाल जाएक चाही। राइज बेगर जउरत कर कानून अउर डहर कर छेका छान्दा मन के दूर करते संसाधन मनक मालिकाना हक के जरूर ठहराओक। राइज बट ले ई काम के लागू करूवाएक ले जिमेदार तंत्र मन के आँकते करते जहाँ ले होए पराओक उके सुधराएक कर काम हो संपादन करल जाएक चाही।



6.4 राइज बट ले ई जरूर से ठहराल जाएक चाही कि न्यायिक अभिकरण अउर इके लागू करूवाएक ले जिमेदार तंत्र बिसेस कइर के छूटल समाज कर संगे संग सउब अदमी तक हो पोंहचोक। इके लागू करूवाएक कर असल लाभ अदमी मन तक पोहचाएक ले हुंवा कर नेग मन के काम मे आनल जाओक। इकर ले जहां कर तहां स्तर में डहर देखाएक पोथी बनाल जाओक जेकर से बिस्वास लाइक अउर असरदार तरीका से नीति अउर कानून मन के लागू होइ सकोक। लागू करूवाएक प्रक्रिया मनक असल काम, न्याय कर गुण के बहाल राखेक कर होएक चाही। ई हरेक स्थानीय भाखा मे छापल जाओक अउर हरेक पक्ष कर हक अउर जिमेदारी मन के परिभाषित करल जाएक चाही।

6.5 राइज बट ले इसन नीति, कानून मन के रोपल ठहराल जाएक चाही जे सउभे जुड़ल पक्ष मन जइसे समाज सेवी संगठन, निजी छेतर, शिक्षा निकाय अउर इसने अदमी से गोइठ बात बनावल जाओक। संगे संग ई राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानक लेखन होएक चाही।

6.6 राइज अउर जुड़ल निकाय मनक भूमिका बिसेस कर ऊ छूटल समाज तक पोंहचेक कर होवेक चाही जे न्यायिक अउर प्रशासनिक तंत्र से बाहरे होइ चुइक हंय। ई डहर में कानून कर सलह, कानून कर मदइत, परा–कानूनी सहिया आदि मन संगे एकदम भितरे छूटल समाज तक पोहचेक कर जहां तक होइ सकेल कोसिस करल जाएक चाही।

6.7 राइज बट ले बिसेस रूप से लागू करूवाएक ले जिमेदार निकाय मन में सेवा अउर न्याय अउर मान–आदर कर भावना के साहराएक चाही। ई निकाय मनक बिचार ई नींव में होएक चाही कि का ऊ जेतना खोजेल ओतना मान्यता मनक रूपे अदमी मनक भावना मन के पूराएक पारोथे की निहीं। ई बिचार कर रपट खुला रूप से सबक ले छापल अउर बांटल जाएक चाही। ई मामला में सिकाएत करइया मनक सलह मनक अनुसर सुधराएक कर लगस्ते करते रहेक चाही।

6.8 घनेघन अउर दाम अनुसर लागू करूवाएक कर खेयाल से निकाय मनक स्थापना अउर चलाएक ले कारोबारी मन के जोड़ल जाएक चाही। आधा सरकारी अउर गैर सरकारी निकाय मन के हे आपन भितरे लानते नैतिक मान–दान मन के उलटेक दसा में अनुशासन कर तहत कारवाई करल जाएक चाही।

अध्याय 3

# संसाधन मनक मालिकाना हक कर हक मन अउर जिमेदारी मन कर वैधानिक मान अउर निर्धारण

ई अध्याय में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे आदिबासी समाज अउर दोसरा जुड़ल समुदाय मन कर मालिकाना हक कर पुरखउती से चलन हक मन, ऊ मनक निर्धारण के राइज अउर अभिशासन कर दायरा में सफा सफा बताल जाहे।

## 7. बांचाएक प्रावधान

7.1 राष्ट्रीय कानून बांचाएक प्रावधान मनक भितरे जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन कर निर्धारण, बिसेस कइर के हक मन के मारेक चाहे नी मानेक मन के रोकेक कर दिसा में होएक चाही। बिसेस कर बांचाएक प्रावधान ऊ मनक भलई होवेक ले होएक चाही जे मनक मालिकाना हक कर हक एखन कर कानून मनक दायरा मन में परिभाषित चाहे सफा नखे करल गेल। इकर में जनाना अउर बिसेस किसिम से छुटल समाज कर परम्परा से चलल अउर नी मानल गेल हक मनके बांचाएक ले बांचाएक प्रावधान जरूर से ठहराल जाएक चाही।

7.2 राइज बटले बिसेस कइर के ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि मालिकाना हक कर हक मन के मानेक अउर ठहराएक कर डहर में राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रस्ताव मन में बिचार के जिमेदारी से टीपेक चाही।

7.3 राइज बटले मालिकाना हक कर हक मनक मान कर दिसा में पहिले पहिल ऊ सबक हक मन कर खिचरी होएक चाही जे लिखल आहे चाहे नखे। ई समलेट प्रक्रिया में बिसेस कइर के आदिबासी समाज, छुटल समाज कर रूढ़ीजन्य/परम्परागत हक मनके एकदम से होएक चाही।

7.4 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि जनाना अउर मरदाना एक बराबइर हक से ऊ नावा मान पावल मालिकाना हक कर हक मन के हथियावंय –जे कानूनी पोथी–पतरा कर माध्यम से हों सफा सफा होक। राइज बटले जहाँ तक होइ सकेल–समाज परिवार अउर एकला मालिकाना हक कर हक मन के पहिल काम माइन के मान देवल जाएक चाही। इकर असल काम गरीब अउर छूटल मन के सबक ले पहिल मोका मिलेक ले बैधानिक मदइत देवेक आहे। ई डहर में मालिकाना हक कर हक मन कर नकसा बनाते साफ–साफ दिसेक अउर असरदार बेवस्था बहाल करल जाएक चाही।

7.5 राइज बटले ई जरूरी करल जाएक चाही कि जे मनक मालिकाना हक कर हक मन के मानल जाथे चाहे जे मन के नावा हक देवल जाथे ऊ मन के हक अउर जिमेदारी कर पूरा खबर होक।

3

## 8. समाज कर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन

8.1 जेहां राइज जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिक चाहे कब्जाधारी हाके हुंवा अदमी चाहे समाज कर पुरखउती हक मन के माइन देते समाज कर हक के बांचाल राखल जाएक चाही। इकर ले राष्ट्रीय कानून कर अनुसर मालिकाना हक कर हक मन के सफा सफा छापल अउर बांटल जाएक चाही जे–राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रस्ताव मन कर माइन आदर जरूरी ठहराल जाएक चाही।

8.2 राइज बटले समाज ले भोगल जाल चाहे सामुदायिक हक मन कर नीचे आवेक वाला जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मामला में समाज कर हक मन अउर प्रबंधन के मान देवल जाएक चाही ं।

8.3 राइज बट एहो निर्धारित करल जाएक चाही कि जमीन, मछरी अउर जंगल कर संसाधन मन कर केतना भाग में दावा राखेक वाला अउर निर्भर समाज कर मालिकाना हक रही अउर केतना भाग में का राजीनामा अउर कतना समय ले सरकारी अउर आधा सरकरी कम्पनी मनक हक ठहराल जाई।

8.4 राइज बटले मालिकाना हक कर हक मन के ठहराएक कर डहर में इसन प्रक्रिया मन के स्थापित करेक चाही जे सफा सफा काम आवेक वाला अउर सउब के बुझाएक लाइक हो। बिसेस कर आदिबासी अउर दोसर समाज कर सामुदायिक अउर पुरखउती हक मन के मानेक मामला में ई बहाल रहोक। सउभे पढ़एक लिखेक भाषा। सउभे नावा अउर आगे ले गढ़ल मालिकाना हक कर हक मन के

एगो एकमुसुत (जुमठा)निकाय में लिखल जाओक जेकर से आम आदमी कर बुइध के बढ़ाल जाएक पराओक ।

8.5 राइज बटले इसन पारेक वाला निकाय मन के गढ़ल जाएक चाही जे जरूरी मानव, भौतिक, वित्तीय अउर दोसर पाया मन कर आधार में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक मन कर मामला में सिखाएक अउर दोसर जरूरी सहिया तंत्र मन के देउवावंय।

8.6 राइज कर जिम्मेदारी हेके की बटले ठहराल नीति, काजकरम अउर निकाय मनक आर पार दिसेक दामगनी अउर बिचार करते इके सुलझाएक ले जरूरी कार्रवाई करल जाएक चाही। ई बात बिचार में खाद्य–सुरक्षा अउर गरीबी मेटाएक कर असर मन के बिसेस कइर के जनाना जाइत कर मामला में लकीर खींचल जाएक चाही।

3

## 9. आदिबासी अउर दोसर जाइत मन कर पुरखउती हक मन कर बेवस्था।

9.1 जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन में आदिबासी अउर दोसर जाइत मनक पुरखउती हक मन कर बेवस्था के राइज अउर जुड़ल निकाय मन बट ले मान देवल जाएक चाही। ई मान्यता ऊ मनक सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक अउर हवा पानी से जुड़ल अउर राजनीतिक दम मनक नींव में देल जाएक चाही।

9.2 जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन में पुरखउती हक मन कर बेवस्था अउर स्वशासन कर माध्यम से ई संसाधन मनक बराबरी से भरल सुरक्षित अउर टिकेक वाला प्रक्रिया मन से राइज बो ले आदिबासी अउर दोसर जाइत मन के बांचाएक ले साहराएक चाही। ई हुंवा कर संस्था मन में मरदाना जनाना जवान अउर दोसर सउभे कर असरदार भागीदारी के जरूरी ठहराल जाएक चाही। जहां तक पराओक समाज कर सदस्य मनक पारेक नी पारेक कर बिकास करते पुरखउती हक मन कर बेवस्था कर फैसला करेक प्रक्रिया मन में ऊ मनक जमकउवा भागीदारी जरूरी ठहराल जाएक चाही।

9.3 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि उकर बटले करल ओर राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर जिमेदारी मन लिखाल हें आहे। आदिबासी समाज कर मामला में राइज बटले करल गेल सउभे कार्रवाई अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (प्रस्ताव–169) अन्तर्राष्ट्रीय जैवविविधता प्रस्ताव अउर संयुक्त राष्ट्र संघ बटले

आदिबासी समाज कर हक मन कर प्रतिपादन कर मामला में हे होएक चाही। राइज कर कार्रवाई कर दिसा आदिबासी समाज कर मानव हक मन कर प्रति ऊ मनक जिमेदारी मन कर लेखन हें होएक चाही।

9.4 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि आदिबासी अउर दोसर समाज कर संसाधन मन पर मालिकाना हक कर हक मन के राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रस्ताव मनक अनुसार मानल जाहे। ई बारे खबर मन के इसने अदमी मनक भाषा में छापल–बांटल जाएक चाही।

3

9.5 जहां आदिबासी आउर दोसर जाइत कर हक ऊ मनक परम्परा से आवल अउर पुरखउती जमीन में होक हुंवा राइज कर भूमिका, इके मान –दान करते ई भूंई के बांचाएक कर होएक चाही। इसन जमीन से कोनोवे किसिम कर बेदखली के रोकेक राइज सरकार कर जिमेदारी होएक चाही।

9.6 राइज बटले इसन नीति कानून अउर संस्थागत बेवस्था मन के लागू करल जाएक जे आदिबासी चाहे दोसर जाइत मनक पुरखउती मालिकाना हक के स्थापित करत होबंय। राइज कर भूमिका संवैधानिक अउर कानूनी सुधार मन कर माध्यम से बिसेस कइर के जनाना मन कर ऊ हक मनक रक्षा होएक चाही जे सामाजिक कुरीति मनक चलते मानल नी जाहे।

9.7 राइज कर जिमेदारी सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक अउर हवा पानी कर मोल मन उपरे आधारित जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर पुरखउती हक मन के मान देक वाला नीति मन के लिखेक कर आहे। ई काम में आदिबासी अउर दोसर जाइत कर भागीदारी के जरूरी ठहराल जाएक चाही।

## 10. अनौपचारिक मालिकाना हक

10.1 बिकास कर जरूरत मन के सफा सफा अउर कानून कर अनुसर बनाते जमीन कर काम आवेक अउर बिकास के कानूनी अउर प्रशासनिक मानक मनक लिखाल आहे सेके हें देखल जाएक चाही अउर कोनोवे इस्थिती मन में ई मनक (नियम कर) उलटा नी होएक चाही।

10.2 राइज बट ले गोरख धंधा मेटाएक कर डहर में ठउकउवा कदम उठाएक ले सफा सफा दिसेक फैसला करेक प्रक्रिया कर जिमेदारी अउर बेगर केकरो पक्ष धरले फैसला करेक तंत्र के साहराएक चाही।

अध्याय 4

# मालिकाना हक कर हक मन कर जिमेदारी में बदलाव अउर दोसरा के देक

ई अध्याय भितरे राइज चाहे बाजार के माझे राखते ढ़ांचागत–समायोजन, घुराए के बांटेक–सुधार मन, मालिकाना हक चोराएक अउर फिन से बनाएक कर मामला में मालिकाना हक कर हक मन में बदला अउर दोसरा के देक बारे में बिस्तार से खोइल के बताल जाहे।

## 11. बजार

11.1 जइसन चाही उसन इस्थिती में राइज कर भूमिका जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन मनक मालिकाना हक कर हक मन में न्याय से भरल अउर आर पार दिसेक प्रक्रिया मनक माध्यम से बजार लगिन ई संसाधन मन के काम में लानेक अउर मालिकाना हक के घुराए के परिभाषित करेक कर होएक चाही। इसन इथिती मन में राइज के राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर जिमेदारी मनक अनुसर काम करेक चाही। राइज के बिकास कर सोच में खतरा में डालल बिगुर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे समाज कर मालिकाना हक कर हक मन के राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानक मनक पालन करेक चाही।

11.2 राइज कर भूमिका, गरीब मनक भागीदारी बढ़ाएक वाला आर्थिक मोका मनक बिस्तार अन्तर्राष्ट्रीय राजीनामा मनक अनुसर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर एक बराबइर काम में आनेक अउर अस्तिर नी रहेक अउर फसाद मन के कम करते एक दूसर से नफा वाला मोका मनक बिस्तार अउर उकर में अदमी मनक भागीदारी के जरूरी ठहराएक कर होवेक चाही। राइज संवेदना से भरल अउर जिमेदार बजार लगाएक ले मदइत करोक मुदा जमीन कर जुआ खेलेक, गलत ढ़ंग से देक वाला से होइक वाला समाज कर हक मन के मारेक के रोकेक अउर उकर होइ सकेक वाला असर मन से आदिबासी, छूटल अउर समाज कर रकछा करेक जिमेदारी के बोहोक। राइज बो ले समाज कर सामाजिक, सांस्कृतिक अउर हवा

पानी कर मोल मनक रकछा करल जाएक चाही जे कि सामान्य रूप से अधमंधाल बजार कर दसा में नी पराथे। राइज कर जिमेदारी बगरा गिनती में रहेक वाला समाज कर भलई मनक रकछा ले जइसन जरूरत उसन नीति अउर कानून मन के ठहराएक अउर उकर पालन होएक चाही।

11.3 बेगर कोनो खिंचाताना कर माहौल बनाएक अउर बेगर देखा देखी कर बेवस्था गढ़ेक ले राइज बो ले नीति, कानून चलाएक, सम्भराएक बिधि अउर संस्थान मन के गढ़ते आर पार दिसेक जिमेदारी वाला अउर सुपट बजार बेवस्था के बनाल जाएक चाही। राइज इसन प्रक्रिया मन कर बिकास करोक जेकर से बजार कर माध्यम से गरीब अउर छूटल मन कर मन के छोट न करल जाए सकोक।

11.4 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि बजार कर कीना बेचा से जुड़ल हरेक खबर सफा सफा अदमी मनक भलाई ले प्रचार कारोक, मुदा जे रहस्य कर सीमा मनके ना उलटात होक। राइज बट ले बजार कर कीना बेचा कर उलट असर मन कर हो देखरेख करल जाएक चाही।

11.5 राइज अउर दोसर जुड़ल निकाय मनक बट ले सउभे नैतिक मानक मनक पालन करल जाएक चाही। राइज, बजार केन्द्रित बेवस्था में इकर पालन अउर देखरेख लगिन बेवस्था बनाते गोरखधंधा मेंटाएक ओर करोक अउर अदमी मनक माझे खबर के राखल जाएक चाही।

11.6 राइज बटले राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अउर छोटका खेतीहर, उपजइया मनक सामाजिक–आर्थिक बसाहट ले बजार तंत्र में छोटका उपजइया खेतीहर मनक हित मन के बांचाल जाएक चाही।

## 12. पूंजि लगाएक

12.1 राइज अउर राइज से जुड़ल गैर सरकारी निकाय मन के सार्वजनिक अउर निजी कम्पनी कर पूंजि लगाएक से होवेक वाला खाद्यान सुरक्षा कर मोल के मानेक चाही। जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर बहुत जरूरी छेतर में जिमेदार अभिशासन कर तहत एगो जिमेदार वित्तीय–निवेश (पूंजि) के साहराते लम्बा समय ले खेती उपजाएक कर माध्यम से कमई कर स्तर के बढ़ाल जाए सकेल। राइज बो ले बरन बरन कर खेती करेक वाला तंत्र के गढ़ेक ले बड़का रूप में सामाजिक, आर्थिक अउर हवा पानी कर भलई मन के धेयान में राखते पूंजि लगइया के साहराएक चाही। इसन करते राइज बट ले राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून, जिमेदारी अउर प्रस्ताव मनक अनुसर गढ़ल मानक मनक पालन करते हे सुरक्षित पूंजि लगाएक कर डहर अपनाएक चाही।

12.2 बिकास करेक वाला देस मन में छोटका खेतीहर अउर उपजइया मन बो ले करल जाएक वाला खेती कर पूंजि कर चलते गरीबी मेंटाएक, खाद्य सुरक्षा, हवा पानी में लोच अउर पोसेक वाला चीज मनक में बढ़त मिलेला। एहे सोइच के राइज बो ले छोटका खेतीहर अउर उपजइया मनक समर्थन में सार्वजनिक अउर निजी कम्पनी मनक बट ले पूंजि लगाएक के साहराएक चाही।

12.3 संसाधन मन उपरे मालिकाना हक कर हक मनक मामला में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन में पूंजी लगाएक सउभे बेरा इसन प्रसंग में आवेक वाला राष्ट्रीय नीति मन कर माध्यम से करल जाएक चाही जे पोकोत होइ के सामाजिक–आर्थिक बिकास अउर लम्बा समय ले अदमीक बिकास कर बड़का सोंच बिचार मन के पुराएल।

12.4 जिमेदार पूंजि लगाएक कर भूमिका, अदमीक हक मन कर माइन–आदर करते हवा पनी कर नोकसान अउर बेदखली कर खिलाफ में पुराएक लेखन सुरक्षा तंत्र देउवाएक बात आहे। ई किसिम कर पूंजि छोटका उपजइया अउर खेतीहर मनक हित मन के बांचाते ऊ मनक मालिकाना हक कर हक मन कर रकछा ले दिसेक चाही। इसन पूंजि मनक दिसा अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन बो ले प्रतिपादन करल मानक मनक अनुसर गरीब अउर छुटल समर्थक, देस कर अउर अदमी मनक हित मनक लेखन हें जीएक खाएक कर मोका मनक बिस्तार, सामाजिक–आर्थिक टिकाउ बिकास के साहराएक, स्थानीय खाद्यान उपजइया तंत्र के साहराएक, गांव कर बिकास में भागीदारी, हुंवा कर समाज कर मदइत जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर लम्बा समय ले भोग करेक अउर गरीबी मेंटाएक ले बड़का सोच मन के पावेक कर होएक चाही।

12.5 राइज बो ले राष्ट्रीय अउर स्थानीय मामला में अदमी मनक भागीदारी अउर सउब कर राजीनामा कर नींव में पूंजि लागाएक किसिम, सीमा अउर शर्त मन के तय करल जाएक चाही जे अदमी मनक मालिकाना हक कर हक मन कर खिलाफ ना होक।

12.6 बड़का पूंजि लगाएक कर मामला में होइ सकेक वाला अदमीक हक, जीएक–खाएक, खाद्यान सुरक्षा अउर हवा पानी कर हानि कर अनुसर राइज कर भूमिका, पुरेक लेखन सुरक्षा तंत्र देउवाएक कर आहे। इसन इस्थिति मन में संसद कर प्रक्रिया अउर सउब कर राजीनामा कर नींव में हे बगरा से बगरा जमीन अउर नैसर्गिक संपदा के दोसर के देक कर सीमा मन ठहराल जाएक चाही। राइज बो ले इसन नावा ढ़ांचा मन के साहराल जाएक चाही जे बड़का पूंजि लगाएक कर तुलना में खेतीहर अउर उपजइया मनक भागीदारी के साहरात होक।

12.7 छेतर अउर समाज कर बीच में होएक वाला पूंजि लगाएक कर इस्थिती मन में राइज कर भूमिका आहे कि ऊ आदिबासी हक मन ले संयुक्त राष्ट्रीय संघ कर घोषणा पत्र, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन कर घोषणा पत्र (169) कर अनुसर राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून मनक तहत आपन जिमेदारी मन के निभाले हल हें पूंजि लागाएक कर छुटी देवोक। इसन करते आदिबासी अउर दोसर जाइत मन से बिचार अउर राजीनामा कर हाल में ऊ मनक पूरा बिस्वास जीतल जाएक चाही (पैरा ग्राफ 9.9 अनुसर)। ई आपन खुसे देवल सलह कर नियम मनक अनुसर हें पूंजी लगाएक कर छुटी देवेक चाही।

12.8 ई आपन खुसे देवल सलह अनुसर राइज बो ले पूंजि लगाएक बिसय में नीति मन के ठहराएक, छापेक अउर डुगडुगी बजुवाएक जरूरी ठहराल जाएक चाही। इसन करते हवा पानी कर सुपटउवा काम में आनेक खाद्यान सुरक्षा के बढ़ाएक वाला अउर जिमेदारी कर साथ पूंजि लगाएक के साहराएक वाला मानक ठहराल जाएक चाही। बड़का पूंजि लगाएक कर साहराएक वाला मानक ठहराल जाएक चाही। बड़का पूंजि लगाएक कर राजीनामा मन में ऊ कानून मनक ओंचार करल जाएक चाही जे कि राइज अउर पूंजि लगइया कर हक अउर जिमेदारी मन कर बखान करेना। इसन राजीनामा पोथी मन के राष्ट्रीय कानूनी संरचना मन अउर पूंजि लगाएक–नियम कर स्तर में जरूरी ठहराल जाएक चाही।

4

12.9 राइज बो ले संसाधन मनक मालिकाना हक कर हक मन के दीसेक वाला ई आपन खुसे देवल सलह मनक अनुसार छूट जरूरी ठहराल जाएक चाही, जे मन में होई सकेक वाला कब्जा अउर राजीनामा मनक धेयान राखल जाओक। बिसेस कर मालिकाना हक कर हक मनक बारे बताओक अउर फैसला करेक में ऊ मनक भागीदारी जरूरी ठहराओक अउर जरूरत होले हल कारोबारी कम्पनी मन से हें मदइत देउवाओक।

12.10 बहुत बगरा पूंजि लगाएक कर इस्थिती मन में राइज बो ले स्वतंत्र निकाय मनक माध्यम से खाद्यान सुरक्षा, मालिकाना हक कर हक मन, पेटभरूआ भात तीयन कर मोका, जीएक खाएक अउर हवा पानी से जुड़ल पक्ष मन उपरे अच्छा अउर खराब असर मन अउर उकर फल मन के आंकल जाएक चाही। ई कड़ी में पुरखउती अउर अनौपचारिक मालिकाना हक कर हक मन अउर ऊ मनक दाबी मन के पूरा मन से अपनाल जाएक चाही। ई प्रक्रिया ई आपन खुसे देवल सलह मन कर पालन करल से करल जाए सकेल। राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि बहुत बड़का पूंजि लगाएक वाला पक्ष कर अनुसर अदमी मनक मालिकाना हक कर हक मन से कोनो राजीखुसी नी करल जाई।

12.11 जे पक्ष मन से पूंजि लगाएक ले राजीनामा करल जाथे उ मन के पूरापूरी पोथी अउर जानकारी देवल जाएक चाही जेकर से बेगर देखा–देखी कर अउर जनाना मरदाना कर बराबरी के बढ़ाऐक खेयाल से पूंजि लगइया अउर पीड़ित पक्ष के पूरा खबर होक।

12.12 कोनोवे इस्थिती मन में पूंजि लगाएक चलते खाद्यान असुरक्षा अउर हवा पानी के हानि नी होएक चाही। पूंजि लगइया कर जिमेदारी, राष्ट्रीय कानून अउर आपन हक मन कर भितरे में मालिकाना हक कर हक मन कर आदर–मान होएक चाही जइसन की ई आपन खुसे देवल सलह मे आचार अउर बिचार करल आहे।

12.13 पूंजि लागाएक कर मामला में जे कारोबारी संस्थान आपन सेवा मन देथंय उके जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे मालिकाना हक कर हक मन के पूरा लगन से बुझेक अउर मानेक चाही अउर उकर अनुसर हें आपन सेवा मन देवेक चाही भले इकर ले बिसेस अर्जी ना करल होक।

12.14 राइज अउर जुड़ल पक्ष मनक जिमेदारी आहे कि ऊ पूंजि लागाएक कर राजीनामा कर पक्ष में लागू करूवाएक अउर पहरा तंत्र कर गठन जरूरी ठहराल जाओक। ई मामला में सुधराएक लागिन तुरत कार्रवाई करते मालिकाना हक कर हक मन के बांचाते जहां तक होइ सकेल हुंवा ले कदम उठाल जाएक चाही।

12.15 जेखन खुदे राइज बटले दोसर देस मन में पूंजि लगाल जाथे, इसन इस्थिती मन में राइज बटले छेतरीय अउर अनतर्राष्ट्रीय कानून अउर मानक मनक अनुसर आपन जिमेदारी मन के निभाते खाद्यान सुरक्षा अउर संसाधन मन उपरे मालिकाना हक कर हक मन ले बचाव करेक प्रावधान जरूरी ठहराल जाएक चाही।

## 13. जमीन के मेसाएक अउर दोसर सुधराएक प्रक्रिया मन

13.1 इकर ले राइज बो ले सउभे पक्ष मनक भागीदारी जरूरी ठहराते छेतरीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय कानून मनक अउर जिमेदारी मन अनुसर आपन खुसे देवल सलह मनक पालन करते जमीन कर समेकन जरूरी ठहराल जाएक चाही। ई प्रक्रिया कर काम बैधानिक–समायोजन ले ऊ होइ सकेक लेखन ऊ सउभे अउर जुड़ल पक्ष मन कर बीच आपसी तालमेल से करल जाएक चाही।

13.2 जहां होइ सकोक राइज बटले जमीन समेकन कर प्रक्रिया के चालाते एगो इसन जमीन कर बैंक स्थापित करल जाएक चाही जे कबजाल चाहे समेकित जमीन के पावेक वाला के बांटल जाए सकोक।

13.3 जे जंगल छेतर अउर खेत मन में छोटका खेतीहर मनक मालिकाना हक कर जमीन कय ठू खांड़ा में बिखरल होक अउर जेकर चलते उपजाएक कर लागत में बगरा कचीया लागथे हुंवा राइज बटले समेकन के सहराते खेती करल से होई सकेक वाला नोकसान के कम कइर सकेल चाहे बरन बरन कर फसल कर खेती करेक तंत्र गढ़ेक चाही। संगे संग आवेक वाला समय में होएक वाला जमीन कर अउर बगरा बंटवारा मन चाहे खांड़ा खांड़ी के रोकते पूंजि लगाएक कर होइ सकेक लेखन नावा आस मनक बिकास करल जाएक चाही।

13.4 राइज बटले स्थानीय जरूरत मनक अनुसर रणनीति अउर समायोजन कर तरीका मन के ठहराल जाएक चाही। इसन रणनीति मन एकदम जरूरी रूप से टिकाऊ सामाजिक–आर्थिक अउर हवा पानी मनक मानक मनक अनुसर अउर जनाना मरदाना के देखते होएक चाही। समायोजन कर तरीका कर सोच अउर नियम इसन रणनीति मन कर नींव में होएक चाही, जे सार्वजनिक छेतर, निजी छेतर, छोटका खेती हर अउर उपजाएक वाला संगठन, मछुआरा, जंगल उपरे निर्भर रहेक वाला समाज अउर शिक्षण संस्थान मनक गेयान के बढ़ाओक अउर जुड़ल सउभे पक्ष मनक पाया कर बिकास करंय। ई डहर में कानून मन के ठहराएक कम लागत वाला तरीका मन क अपनाल से खेती कर छेतर कर उत्पादन अउर उपयोग बढ़ाल जाएक बो होएक चाही।

4

## 14. मालिकाना हक कर हक मनक बहाली

14.1 जहां होई सकेल, राष्ट्रीय कानून अउर नीति मनक अनुसर आदिबासी समाज कर संसाधन अउर उकर से जुड़ल हक मनक बहाली करल जाएक चाही।

## 15. घुराए घुराए के बांटेक में सुधार

15.1 घुराए के बांटेक में सुधार कर खेयाल से राइज बटले जमीन कर हदबंदी कर नियम लागू करेक चाही।

15.2 जहां राइज घुराए के बांटेक कर सुधार मन के लागू करेक खोजथे हुंवा सुधराएक डहर, राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, जिमेदारी अउर प्रस्ताव मनक अनुसर होएक चाही। ई मामला में आपन खुसे देवल सलह के देखते हें कदम उठाएक चाही। राइज बटले सउभे पक्ष मनक जरूरत मन में संतुलन गढ़ते गोइठबात कर माध्यम से सुपटउवा बिकास कर डहर बनाल जाएक चाही। ठहराएक कर प्रक्रिया के राइज, सबक पक्ष जइसे समाज सेवी संगठन, निजी छेतर, छोटका खेती हर अउर उपजइया मनक संगठन अउर दोसर पक्ष मनक आपसी राजीनामा कर नींव में जरूरी ठहराल जाओक।

जहां समाज कर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन के छोइड़ हंय ऊ मनके तुरते उकर बराबइर बदली देल जाएक चाही।

15.3 राइज घुराए बनाएक सुधार मन के गढ़ेक कर खेयाल से सफा सफा लकीर खीचोक अउर बताओक कि (भूमि–संपदा)जमीन कर धन इसन घुराए के बांटेक कर कारा ढारा में मेसाल नखे। घुराए के बनाएक सुधार मन के गढ़ेक ले बड़का रूप में आदिबासी, जवान, महिला, छुटल वर्ग, घूमेक वाला, छोटका खेतीहर अउर उपजइया, चरवाहा, पुरखउती बेरा ले छुटल, झोपड़ी में रहेक वाला (भूमिहीन) बेगर जमीन वाला आदि मनक हक मन के सफा सफा उके परिभाषित करल जाएक चाही।

15.4 जहां राइज, घुराए बनाएक सुधार मन के लागू करेक खोजथे। हुंवा जुड़ल नीति अउर कानून ठहराएक सउब पक्ष मन कर आपसी भागीदारी कर माध्यम से हें जरूरी ठहराल जाएक चाही। ई प्रक्रिया में राइज ई जरूरी ठहराओक कि जमीन, जंगल, मछरी से कमाल धन से जुड़ल पक्ष एगो माइन आन –बान से जीएक कर हिमत राखोक। घुराए बनाएक सुधार मनक फायदा सउबे पक्ष तक पोहंचाएक कर खेयाल से राइज बटले इसन नीति मन में जरूरी बदलाव करल जाएक चाही।

15.5 घुराए बनाएक सुधार मनक तहत जमीन सुधराएक कर संगे–संगे पंइचा भेटाएक, फसल कर बीमा, उपजाएक साधन मनक भेटाएक, तकनीति मदइत, बिस्तार सेवा, खेती कर बिकास अउर उठेक बइठेक घर कर सुविधा मन देक कर जिमेंदारी हों राइज कर होएक चाही। ई मामला में राइज बटले जमीन अउर दोसर जुड़ल सुधार मन ले जरूरी नी घटेक लेखन बजट के आंकते जरूरत भइर धन देउवाएक चाही।

15.6 राइज बटले घुराए के बनाएक सुधार मन कर प्रक्रिया के अदमी मनक पूरा भगीदारी कर साथ आरपार दिसेक अउर जिमेदार ढंग से लागू करल जाएक चाही। सुधार मन से पीड़ित होवल सउब पक्ष के अनुच्छेद–16 कर अनुसर न्याय कर उचित भरपई राष्ट्रीय कानून मनक अनुसर देल जाएक चाही। खास कइर के जनाना मन के जानकारी देल जाएक चाही। घुराए बनाएक सुधार लगिन फायदा पावइया मनक छंटाई, सार्वजनिक प्रक्रिया कर तहत करल जाएक चाही। राइज, पूरा सफासफा दिसेक लेखे, भागीदारी अउर जिमेदारी निभाते सुधार मनक प्रक्रिया मन के गोरखधंधा से दूर राखंय।

## 16. कब्जाएक अउर बदला में धन

16.1 राइज बटले राष्ट्रीय मामला मन में राष्ट्रीय कानून अउर नीति मनक अनुसर खाली अदमी मनक भलई में सार्वजनिक सपना मन ले हें जमीन, मछरी अउर जंगल कर सम्पती कर मालिकाना हक के छोड़वाल जाएक चाही। राइज ई सबक

भलई के बहुत खुला ढ़ंग से कानून मन में परिभाषित करोक, जेकर न्यायिक बिचार हो करल जाए सकोक। राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि जे समाज कर संसाधन मनक मलिकाना हक के छोड़वाल जाहे ऊ मन के न्याय अनुसर उचित भरपई राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून अउर प्रस्ताव मनक अनुसर तुरत देवल जाओक।

16.2 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि कब्जाएक प्रक्रिया अउर नियोजन पूरा पुरी आर पार दिसोक अउर अदमी मनक भागीदारी संगे होक। हरेक पीड़ित मन के सउभे स्तर में पूरा जानकारी देल जाएक चाही। जुड़ल पक्ष से आपन खुसे देवल सलह अनुसर बिचार करल जाएक चाही अउर कोनो दोसर तरीका मनक बिचार करते इसन रणनीति बनाएक चाही कि जीएक खाएक कर नोकसान, कमतर हें रहोक। राइज इसन इस्थिती मन में खास कइर के संवेदनशील रहोक जहां जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक छोड़ाल से छुटल जाइत कर सांस्कृतिक, धार्मिक अउर हवा पानी कर इस्थिती में असर होत होक।

16.3 राइज बटले हरेक पीड़ित पक्ष के आगे ले बेस दाम अनुसर तुरत भरपई राष्ट्रीय कानून मनक अनुसर जरूरी ई ठहराल जाएक चाही। भरपई में नकद, कोनो दोसरा जमीन चाहे दुइयो मेसाकोसा होइ सकेल।

4

16.4 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि उके लागू करूवाएक ले जिमेदार निकाय में पारेक लेखन मानव, भौतिक, प्रशासनिक, वित्तीय अउर दोसर पाया मन होक।

16.5 ई प्रक्रिया के सफासफा अउर जिमेदार बनाएक ले बिकेन्द्रित, आर पार दिसेक, असल दामगनी, विकेन्द्रित सेवा मन अउर अपील करेक हक जइसन मानक मनक नींव में फैसला करल जाएक चाही ।

16.6 जहां सबक भलई लगिन जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन के कबजाल जात होक। हुंवा राइज कर भूमिका पीड़ित पक्ष कर मानव हक मनक सुरक्षा अउर माइन आदर कर होएक चाही।

16.7 कोनोवे इस्थिती मन में मालिकाना हक के छोड़वाएक कर अंजाम, मानव अधिकार मन के नी मानते अदमी मन के बेगर जमीन, घर चाहे छुटल समाज बनाएक बो नी होएक चाही। बल्कि इसन इस्थिती मन में राइज कर भूमिका वैकल्पिक घर, जरूरत कर जमीन में घुराए के बसाएक कर होएक चाही जेकर से जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन में अदमी मनक हक बनले रहोक।

अध्याय 5

# मालिकाना हक कर हक मन के चलाएक

ई अध्याय में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे हक मन कर मालिकाना हक के चलाएक अउर उकर मालिकाना हक मन के लिखेक, दामगनी, कर (Tax) लेक/देक, नियम बानाएक तंत्र, भूंइये उतराएक, दिकत सोझीयाएक तंत्र अउर जुड़ल सीमा मनक पक्ष मन कर बखान करल जा हे।

## 17. मालिकाना हक कर हक मन के लिखेक

17.1 रइज बो ले पंजियन, नकसा–परचा अउर ठीका कर प्रक्रिया मनक माध्यम से निजी अउर समाज कर मालिकाना हक कर हक मन के लिखेक प्रक्रिया कर नियम बनाल जाएक चाही। बिसेस कर आदिबासी अउर दोसर जाइत मनक पुरखउती मालिकाना हक कर हक, निजी अउर सार्वजनिक छेतर कर मालिकाना हक, राइजक मानल मालिकाना हक कर हक अउर हुंवाक निकाय अउर बजार भितरे मालिकाना हक कर हक वाला मामला मन में ई प्रक्रिया कर संचालन करल जाएक चाही। ई प्रक्रिया में लिखल हरेक जानकारी जे कि संसाधन मन पर मालिकाना हक कर हक मनसे जुड़ल आहे सेके खुला रूप से छापल अउर डुगडुगी बजुवाएक चाही।

17.2 मालिकाना हक कर हक मन के लिखेक प्रक्रिया अउर तंत्र भेटल अदमी अउर वित्तीय संसाधन मनक अनुसर करल जाएक चाही। इसन बिधि मन बनाल जाएक चाही जेकर से आदिबासी अउर छुटल समाज कर निजी अउर पुरखउती मालिकाना हक कर हक मन के सामाजिक और सांस्कृतिक तरीका से लिखल जाए सकोक। राइज बो ले एके में समाल नियोजन अउर हुंवा कर खबर देक तंत्र के काम में लानते पूरा आर–पार देखाते हुंवा कर नियोजन अउर दोसर इरादा मन ले काम करेक वाला खबर देक तंत्र गढ़ल जाएक चाही। इ एक ठिन जानकारी लिखेक कर बेवस्था मे आदिबासी, राइज कर सार्वजनिक अउर निजी कम्पनी मन के मेसाल जाएक चाही। अगर आदिबासी अउर दोसर समाज कर मालिकाना हक कर हक मन के लिखेक नी पराथे हल इसन बिसेस इस्थिती मन में दोसर खीचाताना वाला हक मनक पंजीयन में रोक लगाल जाएक चाही।

17.3 राइज बो ले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि बेगर देखा देखी कर सउब पक्ष मन के आपन हक कर हक मन के लिखेक लाइक अउर मोका होक। जहां होइ सकेल हुंवा जनाना, छुटल समाज अउर गरीब मनक तक पोंहोइंच के ऊ मनक हक मन क लिखेक ले पंजीयन करूवाएक सेवा वाला दोकान हिने हुने पोंहचेक वाला ओफिस गढ़ल जाओक। संगे हुंवाए कर स्तर में कारोबार करेक वाला, वकील, नोटरी, आंकड़ा बनाएक वाला, सामाजिक कार्यकर्ता मन के मेसाल जाओक अउर हरेक जानकारी के देवक ले रहेक चाही।

## 18. दामगनी करेक

18.1 राइज बटले इसन तरीका बनाल जाएक चाही जेकर में मालिकाना हक कर हक मन कर दामगनी बिसेस सोच मन जइसे बजार के चलाएक, पंइचा कर सुविधा, पूंजि लगाल चलते मालिकाना हक में बदलाव, कराधन, बहाली मन कर दसा में न्याय से भरल अउर समय अनुसर तरीका मन से करल जाए सकोक। ई तरीका मन टिकाऊ निकाय कर बडका सोच मनक अनुसर सामाजिक, आर्थिक अउर हवा पानी कर इस्थिती मन क साहराएक डहर में होएक चाही।

18.2 दामगनी करेक से जुड़ल कानून अउर नीति मनक दायरा में सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक अउर हवा पानी कर मोल मन जइसन बेगर बजार वाला चीज मन के हों एकदम से मेसाल जाएक चाही।

18.3 राइज इसन नीति अउर कानून बनाओक जे दामगनी करेक काराढारा में आरपार दिसेक के बढ़ाओक। बेचेक कर होइ सकेक दाम अउर दोसर जानकारी मन के हों लिखल जाएक चाही जे मनक माध्यम से बिस्वास करेक लाइक दामगनी करेक अउर उकर बारे सोचेक नींव तेयार होएक पारोक।

18.4 राइज बटले दामगनी करेक ले राष्ट्रीय मानक बनाल जाएक चाही अउर ई जानकारी कर डुगडुगी बजुवाल जाएक चाही, जेकर बड़का काम में आवेक सरकारी, कारोबारी अउर दोसर काम मन में करल जाए सकोक। ई राष्ट्रीय मानक गोइठ अनुसर अउर अन्तर्राष्ट्रीय मानक मनक बराबइर होएक चाही। इकर ले सउभे जुड़ल कर्मचारी मन के मानक अउर काराढ़ारा मन कर बारे सिखाल जाएक चाही।

## 19. कर-बांधेक

19.1 मालिकाना हक कर हक मन उपरे कर बांधेक ले राइज बटले जरूरी नीति, कानून अउर संस्थागत ढ़ांचा बनाल जाएक चाही। कर से जुड़ल नीति अउर कानून मनक

इस्तेमाल हेठे अउर हुंवाए कर स्तर में नींव से भरल सांचा मनक बिकास अउर सेवा मनक दकले करल जाए सकेल।

19.2 राइज बटले कर–बांधेक कर कारा ढारा के बढ़िया तरीका से अउर आर–पार दिसेक वाला कर संगे लागू करेक चाही। इकर ले जुड़ल कर्मचारी मन कर प्रशिक्षण होएक चाही। कर सउभे बेरा सटीक दाम मनक ठहराएक उपरे हो निर्भर होवेक चाही। ई मामला में दामगनी करेक अउर कर होइ सकेक दाम कर खबर सउब अदमी ले भेटाएक चाही। कर देवइया मनक अरजी करेक हक देक राइज कर जिमेदारी हेके। राइज, कर बांधेक वाला प्रशासन से गोरखधंधा रोकेक सउब होइ सकेक वाला कोसिस करंय जे आर–पार दिसेक अउर संसाधन मनक दाम अनुसर दामगनी करेक से भेटल जाए सकोक।

## 20. विनियमित स्थानिक योजना

20.1 इकर डहर ई आपन खुसे देवल सलह मन कर मानदण्ड़ मनक अनुसर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन उपरे मालिकाना हक कर हक मन से तालमेल बइठाएक कर भूमिका बोहेक हो राइज मन के हे करेक चाही।

20.2 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि विनियमित स्थानिक योजना में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन के काम में आनेक अउर ऊ मनक एक दोसर से नाता मन के उचित मान देल जाओक। राइज बटले सार्वजनिक सामुदायिक अउर निजी भलई मनक मान देते ई मन के सबक ले आगे मेसाल जाएक चाही जेकर नींव में गंवइया, शहरी, घुमंतु, खेती अउर हवा पानी जइसन कयनो गो काम में आवेक अनुसर विनियमित स्थानिक योजना के आखरी रूप देल जाए सकोक। स्थानिक योजना कर भितरे मालिकाना हक कर हों हक मन सावधिक अउर दुइयो पक्ष कर दोहरा हक मन के हो मेसाल जाएक चाही। स्थानिक नियोजन में होइ सकेक वाला खतराके बिचारल जाएक चाही। संगे संग राष्ट्रीय, क्षेत्रीय अउर हुंवाए कर स्तर में स्थानिक योजना कर बीच में ताल मेल बइठाल जाएक चाही।

20.3 स्थानिक योजना के ठहराएक कर कारा ढ़ारा में सउभे स्तर में अदमी मनक भागीदारी के साहराते नियोजन करल जाएक चाही। ई कारा ढारा में आदिबासी अउर खाएक चीज उपजाएक वाला समाज मनक हित अउर प्राथमिकता के सउबसे उपरे ठांव देल जाएक चाही। जहा जरूरत पड़ोक नियोजन में ई समाज मनकर पूरा पुरी मदइत लेवेक चाही। लागू करूवाएक वाला तंत्र बटले ई बताल जाएक चाही कि कइसन आखरी स्थानिक योजना में अदमी मन कर भागीदारी मेसाल जाहे। राइज बो ले ई कारा ढारा में गोरखधंधा मेंटाएक बिचार से जरूरत

भइर बांचाएक कर तंत्र कर गठन होएक चाही जेकर से स्थानिक नियोजन में नियामक कर मध्यम से बदलाव के रोकल जाए सकोक। राइज बो ले काम लागू करेक ले जिमेदार तंत्र कर पहरा कर फल मन के सबक सामने खोइल के राखल जाएक चाही।

20.4 हवा पानी में बदलाव अउर खाद्यान सुरक्षा कर चुनौती मनक सामने जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर लम्बा समय ले सम्भराएक अउर खेती–हवा पानी वाला परिक्षेत्र कर नींव में कारा ढारा मनक माध्यम से राइज बो ले स्थानिक नियोजन कर ढांचा के ठहराएक अउर चलाएक जरूरी ठहराल जाएक चाही।

## 21. मालिकाना हक कर हक उपरे फसाद मनक सोहान

21.1 राइज कर जिमेदारी आहे कि ऊ संसाधन मन उपरे मालिकाना हक कर हक मनक फसाद कर इस्थिती में पारेक लेखन अउर बेगर केकरो पक्ष धरले न्यायिक अउर प्रशासनिक निकाय मनक रहेक, बोहेक लेखन अउर असरदार माध्यम कर रूप में देउवाओक। ई कारा ढारा में न्याय पावेक अउर उपाय भेटेक कर दोसरा तरीका मन के जरूरत भइर मोल देल जाएक चाही। कोनोवे इस्थिती में अरजी करेक हक न्यायिक अउर प्रशासनिक बेवस्था कर जरूरी अंग होक। राइज के ई जरूरी ठहराल जाएक चाही की फसाद कर इस्थिती मन में दिकत मेंटाएक हटाएक तंत्र सबक ले आगे हे मिलोक, जे काम लागू करूवाएक जिमेदार निकाय चाहे कोनो बाहरी निकाय होइ सकेल। ई दिकत हटाएक वाला निकाय सउब जनाना अउर मरदाना कर पोहंचेक लाइक होवेक चाही जे हुंवाकर भाषा तरीका मन अउर ठांव कर अनुसर गंवइया मनक हित मन के बांचाल जाए सकोक।

21.2 राइज बटले मालिकाना हक कर हक, मनक फसाद कर इस्थिती में बिसेस न्यायाधिकरण चाहे निकाय मनक गठन करल जाएक चाही। गठन करेक काराढारा में न्यायिक विशेषज्ञ जानकार मन कर मदइत बिसेस तकनीकी मुद्दा मन में लेल जाए सकेल। राइज के इसन बिसेस न्यायधिकरण मनक मदइत स्थानिक नियोजन, सर्वेक्षण अउर दामगनी करेक में हो लेल जाएक चाही।

21.3 राइज बटले न्यायिक समाधान कर दोसर ढांचा मन के हों बिकास करेक अउर पोकोत करल जाएक चाही। बिसेस कइर के हुंवाए कर स्तर में, जहां पुरखउती मालिकाना हक कर हक मन अउर उकर बंदोबस्ती में फसाद होएक लेखन होक हुंवा बेगर केकरो पक्ष धरले, बिस्वासी, सबक पोंहचेक लेखन अउर बेगर देखा देखी कर तेयार रहेक वाला वैधानिक हल जरूरी ठहराल जाएक चाही।

21.4 राइज बटले काम लागू करूवाएक ले जिमेदार निकाय मनक भूमिका के ठहराएक दिकत हटाएक ले करल जाएक चाही। जइसन की सर्वेक्षण ले जिमेदार निकाय, आइर से जुड़ल फसाद मनक दिकत हटाएक तंत्र असरदार दंग से काम कइर सकेल। हरेक दसा में न्याय चाहे उपाय लिखल रूप में सफा सफा कारन मनक संगे देल जाएक चाही जेकर से न्यायिक प्राधिकरण मनक समने अरजी करेक हक बनल रहोक।

21.5 राइज बटले न्यायिक अउर फसाद मन के निमराएक तंत्र के पूरा पुरी बेगर गोरखधंधा कर बनाएक डहर में काम करेक चाही।

21.6 राइज कर जिमेदारी बेगर कोनो देखा देखी कर छुटल अउर आइर में रहेक वाला अदमी मन के कानूनी डहर देखाएक अउर कानूनी मदइत जरूरी ठहराएक कर होवेक चाही। न्यायिक अभिकरण ले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि ऊ मनक कर्मचारी मन में इसन सेवा मन देक कर पूरा पुरी पाया अउर लगन आहे।

## 22. आइर लालिक ठांव मनक फसाद अउर मामला

22.1 राइज बटले आइर लालिक ठांव मन में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक मन में पीड़ित पक्ष मन ले सुपटउवा दिकत हटाएक तंत्र के गढ़ेक जरूरी ठहराल जाएक चाही। राइज बटले एहो जरूरी ठहराल जाएक चाही कि उकर बटले उठाल गेल कदम राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, नीति, प्रस्ताव अउर चलल कारा ढारा मनक लेखन हें आहे। दुई गो देस कर आइर मन में ई लेखन कर फसाद मनक इस्थिती में हरेक राइजक भूमिका आपन छेतर में छोइड़ जाएक वाला मनक हित अउर ऊ मनक मालिकाना हक कर हक मन के बांचाएक कर होवेक चाही।

22.2 राइज अउर दोसर पक्ष मनक ई जिमेदारी आहे कि ऊ दुइ गो देस मनक माझे आइर मन में ऊ फसाद मन के सोहान करेक कर कोसिस करंय जे छुटल मनक मालिकाना हक कर हक मन के असर करेला जइसे– अन्तर्राष्ट्रीय वाला छेतर मन में आवेक वाला मौसमी चरन में छोटका जल मारेक वाला समाज मनक हक जे मनक जीएक खाएक ई सीमा आइर मनक पासे होवेला।

22.3 राइज बटले इकर मामला मे कानूनी मानदंड़ मन के राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, नीति, प्रस्ताव अउर जिमेदारी मनक अनुसर बनाल जाएक चाही। जहां होइ सकेल हुंवा छेतर कर स्तर में पीडित मनक संगे गोइठ बात करते अन्तर्राष्ट्रीय स्तर में पावल निकाय मनक माध्यम से सुलझाएक कर कोसिस होवेक चाही। पीड़ित पक्ष कर हक में पैराग्राफ 4.8 कर तहत राइज के इसन कदम उठाल जाएक चाही।

अध्याय 6

# प्राकृतिक जलवायु परिवर्तन में बदलाव अउर बिपइत बेरा अनुक्रिया

ई अध्याय हवा पानी में बदलाव, प्राकृतिक बिपइत अउर अकर से जनमल फसाद मनक इस्थिती मन में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक अउर हक मनक बारे आहे।

## 23. हवा पानी में बदलाव

23.1 राइज बट ले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि हवा पानी में बदलाव कर प्रासंगिक राजी खुसी मन कर अनुसर हवा पानी में बदलाव कर मामला में राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानक मन कर अनुसर इसन कानून, नीति अउर रणनीति मन के टीपेक मन अउर दोसर पीड़ित अदमी मन चाहे पीड़ित होइ सकेक वाला समाज कर जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मनक रकछा करेक पाराओक।

23.2 राइज बटले सउब प्रभावित अउर संभावित पक्ष से गोइठबात ओर करते ऊ मनक भागीदारी जरूरी ठहराते हवा पानी में बदलाव से बिस्थापित अउर पीड़ित अदमी मन लगिन काम कर संपादन करल जाएक चाही जेकर से ऊमनक अउर ऊ मनक संसाधन मनक रकछा जरूरी ठहराल जाए सकोक। ई डहर में राइज बट ले जरूरी ठहराल जाएक चाही की बिस्थापित मन ले निर्देशित वैकल्पिक संसाधन चाहे प्रस्ताव करल जीएक खाएक कर तंत्र उकर से नाता राखेक वाला समाज कर आपस मे फसाद होएक कर कारण ना बनोक। राइज बटले छोटका छोटका टापु मन में रहेक वाला मन ले बिसेस मदइत काम कर संपादन करल जाएक चाही।

23.3 संसाधन मन उपरे मालिकाना हक कर हक मन से नाता राखइया हरेक पार्टी जइसे कि खेतीहर, छोटका उत्पादक, छूटल समाज आदि मनक जोरदार भागीदारी जरूरी ठहराते हवा पानी में बदलाव कर असर मन के कम से कम अउर रूप रंग में अन्तर करेक लेखन कारकरम मनक संपादन राइज बट ले जरूरी करल जाएक चाही।

## 24. प्राकृतिक बिपइत

24.1 राइज अउर राइज से जुड़ल सउभे निकाय मन ले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि जेखन प्राकृतिक बिपइत से रकछा ले उपाय करल जाथे सेखन जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन के बांचाए राखेक जिमेदारी के निभाओक। स्थानिक नियोजन अउर नियम बनाएक वाला निकाय मनक काम मनक में प्राकृतिक बिपइत अउर उकर से होवल संभावित असर मन के दूर करेक कर कोसिस मन उपरे काम करल जाएक चाही।

24.2 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि उकर बट ले संपादित सउब काम अउर फैसला राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, नीति, जिमेदारी मन कर लेखन हें आहे अउर ऊ जे बरन कर आहे उसने उके मानल जाओक। ई मामला में संयुक्त राष्ट्र संघ बटले प्रतिपादन करल बिस्थापित अउर सरन लेक वाला मनक जायदाद मनक बहाली अउर घरक सिद्धान्त मन (पिन्हिरो सिद्धान्त) कर संगे प्राकृतिक बिपइत से जुड़ल मानव घोषणा कर मानक मनक लेखन नाता रखेक वाला पक्ष मनक हित मन कर रकछा करल जाओक।

24.3 राइज बटले बिपइत–से बाचेक अउर जुड़ल कारकरम मन में जरूरी रूप से संसाधन मन कर मालिकाना हक कर हक मनक बिसय के जरूर से मेसाएक जरूरी ठहराल जाओक। इसन समाचार मन ले सउभे जुड़ल पार्टी मन से गोइठ बात करते ई आपन खुसे देवल सलह कर मानक मनक लेखन हें जानकारी जुमाएक चाही। ई बेवस्था ई बरन कर लचकदार होएक चाही कि हक पावल समाज स्थानिक इकाई कर जइसन आपन संसाधन मन कर हक मन के रोपेक पारोक। राइज बो ले इसन कोनो दोसर ठांव मन के छांटेक चाही जेकर में कि पीड़ीत पक्ष मन के बसाल जाए सकोक अउर संगे संग संसाधन मन उपरे मालिकाना हक मनक हक मन के बहाल हों करल जाएक पराओक।

24.4 राइज, बिसेस बिपइत चाहे आफइत बेरा में हो संपदा मन उपरे मालिकाना हक कर हक मन से जागल रहंय। प्राकृतिक बिपइत कर इस्थिती में बिस्थापित समाज मन ले उपलब्ध वैकल्पिक जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कोनो दोसर समाज कर हक मन आउर जीएक खाएक कर संसाध मन के ना दुसत होक, ई राइज बोले जरूरी ठहराल जाएक चाही। बिस्थापित अदमी चाहे समाज कर हक मन के माइन आदर देते उके मानते बांचाए के राखल जाएक चाही। मालिकाना हक कर हक मनक मामला में अउर उकर वैध–अवैध उपभोग कर जानकारी सउभे पीड़ित पक्ष के देल जाएक चाही।

24.5 राइज अउर जामा जुड़ल पक्ष मन के दोबारा के बनाएक कर प्रक्रिया में मालिकाना हक कर हक मनक धेयान राखल जाएक चाही। अस्थायी रूप से बिस्थापित अदमी मन के सुरक्षित अउर माइन आदर से ऊ मनक असल ठांव में घुरेक कर बेवस्था करेक राइज कर जिमेदारी हेके। जहाँ स्थानिक इकाई अउर जमीन कर आइर मन के घुराए के अउरे नापी करल जाथे हुंवा ई आपन खुसे बनाल सलह कर मानक लेखन हें आपसी राजी नामा बनाएक चाही। जहाँ असल ठांव में घुरेक बलाय आहे सेहां बिस्थापित मन के स्थायी किसिम से दोसर ठांव मन में बसाएक कर बेवस्था होएक चाही। इकर में ई बात कर भरपूर जोर देल जाएक चाही कि बिस्थापित मनक पुनर्वास कर प्रक्रिया में ऊ मनक जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक अउर उकर से जुड़ल जीएक खाएक कर मोका कोनो दोसर समाज कर संगे ऊ मनक फसाद कर कारन ना बनोक ई जरूरी ठहराएक राइज कर जवाबदेही होएक चाही।

## 25. जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मन कर मामला में फसाद

25.1 राइज बटले ई जरूरी ठहराल जाएक चाही कि उकर बो ले लेल फैसला राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय कानून, नीति, प्रस्ताव मन अउर उके ठीक करेक तंत्र लेखन हें आहंय। राइज ई मामला में संयुक्त राष्ट्रसंघ बट ले प्रतिपादन करल बिस्थापित मन अउर सरन लेवइया मनक जायदाद अउर रहेक ले बहाली करेक वाला सिद्धान्त (पिन्हिरो सिद्धान्त) कर लेखन उके निमराएक जरूरी ठहराओक। फसाद होले हल अउर उकर पाछे अन्तर्राष्ट्रीय मानव जाइत ले बनल कानून कर मान करते राइज कर भूमिका, पीड़ित पक्ष के मालिकाना हक कर हक जरूरी ठहराएक कर हावेक चाही।

25.2 राइज अउर सउभे जुड़ल पक्ष मन के सालसुधी निमराएक जरूरी करेक ले सउब के मिलाए जुमाए के कदम उठाल जाएक चाही। राइज कर जिमेदारी आहे कि फसाद अउर मनमुटाव बढ़ाएक वाला सउभे कारण मन के सोमटेक डहर में नीति अउर कानून मन कर निर्धारण होएक चाही। जहां होइ सकेल हुंवा राइज बट ले इसन परम्परावाद अउर हुंवा कर प्रारूप मन कर माध्यम से फसाद मन के सोमटेक के बढ़ावा देक चाही जे कि निंगर बिस्वास करेक लाइक, जनाना मरदाना दूइयो ले सोचेक वाला, बेगर चेहरा देखले बतियाएक वाला अउर बोहेक लाइक होबंय, संगे संग जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर फसाद मन के तुरता तुरती सोमटेक लाइक होबंय।

25.3 जहां फसाद होएक लेखन आहे सेहां राइज अउर इकर से जुड़ल पक्ष मनक जिमेदारी आहे कि असल अउर सबूत कर साथ मालिकाना हक कर हक मन के बांचाओक जेकर से दोसर पक्ष बटले हक के मारल ना जाओक। राष्ट्रीय अउर अन्तर्राष्ट्रीय मानक अउर कानून मनक लेखन राइज कर जिमेदारी आहे कि आपन आइर भितरे मार काट से कमाल जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक के मानल ना जाओक। सरन लेवइया अउर दोसर विस्थापित मन के दोबारा बसाएक इसन ढ़ंग से होवेक चाही कि असल जाइत कर मालिकाना हक कर हक बांचल रहोक। मालिकाना हक कर हक मन के नी मानेक दसा में इकर लिखा–पढ़ी करते जहां तक पराओक इके निमराएक जरूरी ठहराल जाएक चाही। ई किसिम कर लिखल–पढ़ल कागज मन के आगे सबूत लगिन बेस ले बांचाए के राखल जाएक चाही जेकर से ई मनक काम, मामला से जुड़ल संदर्भ पत्रक कर लेखन करल जाए सकोक। जहां तक पराओक ई पोथी–पत्रा में कहल–सुनल (लोक) इतिहास अउर कथा कबनइत मन के राखल जाएक चाही। सरन लेवइया अउर बिस्थापित मन के देल हक मन के हों लिखल जाएक चाही। संगे लुंगे मालिकाना हक कर हक अउर इकर सबूत कर संगे काम में आनेक कर जानकारी हों हरेक पख के देल जाएक चाही।

25.4 फसाद होवल से जहां तक होई सकोक, राइज अउर जुड़ल पक्ष ई किसिम से मालिकाना हक कर हक मनक फसाद मन के सोमटेक जरूरी करोक जे सउभे जुड़ल पक्ष मन के बराबरी कर नींव में बहुत आगे परिया तक ले सुलझाएक लेखन रोपल जाए सकोक। जहां पीड़ित पक्ष ले जमीन कर हक कर बहाली होइ सकेल हुंवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर में यू.एच.सी.आर अउर दोसर प्रासंगिक निकाय मनक मानदण्ड मनक अनुसर बिस्थापित अउर सरन लेवइया मन के मदइत देल जाएक चाही जेकर से ऊ मन आपन असल ठांव में आपन खुसे सुरक्षित अउर मान दान से घुरेक पारंबय। बहाली अउर पुनर्वास कर प्रक्रिया, जनी मरद के सोचेक कर भावना कर लेखन हे अउर देखा देखी करेक वाला नी होवेक चाही। इकर बड़का रूप से प्रचार करल जाएक चाही जेकर से बहाली ले सउब पक्ष मनक दावा के मानल जाए सकोक। आदिबासी अउर दोसर जाइत मन में मालिकाना हक कर हक मनक बहाली ले जानकारी होवेक कर पारम्परिक सोता मन इस्तेमाल करल जाएक चाही।

25.5 जहां बहाली नी होएक पराथे हुंवा बिस्थापित अउर सरन लेवइया मन के जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मनक बहाली लगिन दोसर ठांव मन में ई मन के बसाएक चाही। मुदा ई प्रक्रिया में असल ठांव कर

जाइत मन से गोइठ बात अउर राजी नामा कर नींव में बेवस्था करेक कर काम करल जाएक चाही जेकर से फसाद होएक कर स्थिती के हे सिराल जाए सकोक। जहां पराओक छूटल मन अउर बिसेस कर रांड़ी अउर अनाथ मनक मालिकाना हक कर हक मन के बहाल करेक ले बिसेस सुबिधा जरूरी करल जाएक चाही।

25.6 जहां ले होइ सकोक कानून अउर नीति मन के ई किसिम से सुधार करल जाएक चाही जेकर से फसाद होवल से आगहे होवल मन मुटाव अउर फसाद मन कर होवल पाछे कर मन मुटाव के उपाय जरूर से करल जाए सकोक। जहां होइ सकेल, प्रासंगिक निकाय मन के पुनर्स्थापित करते बहुत जरूरी सेवा मन अउर मालिकाना हक कर हक मनक ले जिमेदार अभिशासन के चलाल जाएक पराई।

6

अध्याय 7

# साहराएक, काम ओर करेक, पहरा अउर दामगनी

ई अध्याय संसाधन मन उपरे मालिकाना हक कर हक मन के साहराएक, काम ओर करेक ढंग, पहरा अउर दामगनी से जुड़ल आहे।

26.1 ई आपन खुसे देवल सलह मन के काम ओर करेक ढंग, पहरा अउर दामगनी कर जिमेदारी राइज मनक आहे।

26.2 ई आपन खुसे बनाल सलह मन के लागू करेक ले राइज बो ले (बहु–हितग्राही)बरन बरन कर हित करेक निकाय अउर काराढारा के हुंवा कर छेतर अउर देसक स्तर में रोपल जाएक चाही। ई बरन बरन कर हित करेक निकाय कर जिमेदारी ऊ मनक हक वाला छेतर में दामगनी आउर लागू करेक कर होवी जेकर नींव में जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर मालिकाना हक कर हक मनक अभिशासन में सुधार लानल जाए सकोक। लम्बा समय ले बिकास अउर खाएक पीयेक कर सुरक्षा अउर भरपेटुवा भात तीयन कर राष्ट्रीय मामला मनक मामला में ई बहुत जरूरी काम हेके। ई काराढारा, सउब के आपन में समाएक वाला, भागीदारी अउर जनाना मरदाना के देखते, लागू करेक लेखन, कम लागत वाला अउर टिकऊ होएक चाही। राइज ई डहर में आपन जिमेदारी मन के बोहेक ले छेतर अउर अन्तर्राष्ट्रीय निकाय मनक मदइत लेइ सकेन।

26.3 ई आपन खुसे देवल सलह मन के लागू करेक ले राइज दखिन–दखिन गठबंधन, संयुक्त राष्ट्रसंघ, छेतर कर संगठन अउर दोसर सहिया मन कर मदइत लेइ सकेन। राइज मन के ई बरन कर मदइत, तकनीकि संयोजन, पूंजिक मदइत, संस्था कर माध्यम से छमता बिकास, गेयान अउर जानकारी मनक अदला बदली, आपन अनुभव मनक अदला बदली, संसाधन मन उपरे मालिकाना हक मनक देसक नीति के बनाएक अउर तकनीक के दोसरा तक पोंहचाएक छेतर में करल जाए सकेल।

26.4 ई आपन खुसे देवल सलह के लागू करेक ले विश्व खाद्यान सुरक्षा समिति एगो वैश्विक मांचा लेखन आहे जहां सउभे जुड़ल निकाय मन बो ले अनुभव मन के

साझा करेक अउर लागू करेक में होवल बढ़त के आंकल जाए सकेल। संगे संग ई आपन खुसे देवल सलह कर (प्रासंगिकता)माने, मोल अउर असर मन के आंकल जाए सकेल। ई डहर में विश्व खाद्यान सुरक्षा समिति कर सचिवालय अउर सलाहकार समिति बट कर मदइत से ई आपन खुसे देवल सलह मन के लागू करेक कर बढ़ेक कर जानकारी देल जाए सकेल अउर उकर नींव में मालिकाना हक कर हक मन में बगरा बाइढ़ सकेल। ई बरन कर रिपोर्ट, (सार्वभौमिक) सबक ले अउर सउभे होइ सकेक लेखन पक्ष मनक में आपन अनुभव के साझा करेक अउर जामा किसिम कर तरीका अउर जोगाड़ मन से सीखेक कर सुपटउवा माध्यम देवेल।

26.5 सउभे समाज सेवी संगठन, निजी निकाय अउर जुड़ल पक्ष मन से आसा करल जाएल कि ई आपन खुसे देवल सलह मन के लागू करेक के देसक मामला मन अउर पहिल जउरत कर हिसाब से साहराएं। सउभे जुड़ल पख मन से एहो आसा करल जाएल कि ई मामला में खबर अउर जानकारी मन के परचार करते संसाधन मनक मालिकाना हक कर हक मन कर जिमेदार अभिशासन के अउर उनईत करेक लेखन बनावंएं।

संसाधन मनक मालिकाना हक के लागू करेक/करूवाएक कर मामला में ई बड़का सलह दुनिया में पढ़ल जाएक वाला एगो पोथी हेके जे सरकार मनक माझे आपसी गोइठ बात अउर राजीनामा मनक नींव में तेयार करल जाहें। जमीन, मछरी अउर जंगल कर धन कर हक, काम में आनेक अउर सम्भराएक/चलाएक कर जीमेदारी से लागू करेक/करूवाएक ले ई अन्तर्राष्ट्रीय मानक मनक अनुसर इगो एक ठो अपनाल/मानल डहर देखाएक नियम हेके। ई नीति, कानून अउर संस्थागत ढांचा मन के उनइत करेक ले सलह हेके। ई मालिकाना हक कर हक मन के कानून अउर संस्थागत ढांचा के नारेक, मालिकाना हक कर बेवस्था निरंग दिसेक लेखन–प्रशासन कर छमता बढ़ाएक अउर संसाधन मनउपरे लागू करेक/करूवाएक कर मामला में सार्वजनिक निकाय, निजी प्रतिस्ठान, स्वैच्छिक संगठन अउर अदमी मनक छमता अउर मजबूती बढ़ाएक ले बहुत जरूरी आहे। राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा कर मामला मन में ई आपन खुसे देवल सलह, लम्बा समय ले आर्थिक अउर सामाजिक बिकास, हवा पानी के बेस राखेक ले बांचाएक, गरीबी मेटाएक अउर भरपेटुआ भात–तीयन कर हक के जरूरी ठहराएल।

ISBN 978-92-5-137096-4

9 789251 370964

I2801SCK/1/12.22